epaper.dehatsandesh.com

3 जीसीओई जम्मू को तंबाकू मुक्त परिसर घोषित किया गया

5 कोहली ने किया आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन लगा मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

8 खरीफ की फसलें बोने का उचित समय

मौसम जम्मू — न्यूनतम 20 — अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-98 | जम्मू तवी, बुधवार 24 अप्रैल, 2024 | मूल्य-2 रूपये, पृष्ठ -8

राजौरी में व्यक्ति की हत्या में शामिल आतंकवादी की पहचान और जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा

जम्मू तवी, 23 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को राजौरी जिले में सोमवार को एक व्यक्ति की जघन्य हत्या में शामिल आतंकवादी की पहचान और उसे पकड़ने में मददगार जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार को राजौरी के कुंडा गांव में मोहम्मद रजाक की जघन्य हत्या सहित आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए अबू हमजा के रूप में पहचाने गए आतंकवादी पर इनाम की घोषणा की गई है।

शादरा शरीफ के कुंडा गांव में आतंकी हमले के पीड़ित मोहम्मद रजाक को स्थानीय कब्रिस्तान में दफनाया गया जिसमें पूरे इलाके से सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी।

दोपहर 2.30 बजे कुंडा गांव में जनाजे की नमाज हुई जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। प्रार्थना के बाद रजाक के शव को उसके पैतृक कब्रिस्तान में दफनाया गया, जहां उसके पिता को दफनाया गया था।

उनके पिता मोहम्मद अकबर भी वर्ष 2003 में आतंकवाद का शिकार हुए थे। रजाक को उनके पिता की हत्या के बाद अनुकंपा के आधार पर समाज कल्याण विभाग में नियुक्त किया गया था और वह विभाग में कनिष्ठ सहायक के रूप में कार्यरत थे। रजाक का सबसे बड़ा बेटा अभी 15 साल का है।

इससे पहले जैसे ही रजाक का गोलियों से छलनी शव उनके घर पहुंचा, इलाके में मातम छा गया क्योंकि हर कोई दिवंगत आत्मा को सम्मान देने के लिए उनके घर की ओर जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार वह एक दयालु और मददगार व्यक्ति थे जो जरूरत पड़ने पर लोगों तक पहुंचने में हमेशा दूसरों से आगे रहते थे।

स्थानीय लोगों ने कहा कि आतंकवादी उनकी पहचान सुनिश्चित किए बिना स्थानीय लोगों से पूछताछ करते हुए उनके घर तक पहुंचे थे। वे उसके घर में छिपे हुए थे और एक बार जब रजाक प्रार्थना पूरी करने के बाद अंदर दाखिल हुआ तो आतंकवादियों ने उस पर गोली चला दी और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हें नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पांच और उम्मीदवारों ने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किए, इस सीट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर हुई सात

श्रीनगर, 23 अप्रैल । आम लोकसभा चुनाव-2024 के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया चल रही है। मंगलवार को यहा पांच और उम्मीदवारों ने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। श्रीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या अब बढ़कर सात हो गई है।

मिर्जा सज्जाद हुसैन बेग, जिब्रान डार, शाहनाज हुसैन भट और शमीम अहमद पर्रे सहित उम्मीदवारों ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी तरह यूनिस अहमद मीर ने भी मंगलवार को श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारत जोड़ो पार्टी के उम्मीदवार के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) के समक्ष अपना नामांकन पत्र जमा किया।

श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल, 2024 (गुरुवार) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक है। उम्मीदवारों द्वारा दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 26 अप्रैल, 2024 (शुक्रवार) को होगी।

उम्मीदवारों के पास 29 अप्रैल, 2024 (सोमवार) अपराह्न 03:00 बजे तक या उससे पहले अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का विकल्प है। इस संसदीय क्षेत्र में चौथे चरण के तहत 13 मई को मतदान होना है।

22 अप्रैल, 2024 को दो उम्मीदवारों ने पहले ही अपना नामांकन दाखिल कर दिया था, मंगलवार को श्रीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर सात हो गई।

पुंछ में ड्रोन जैसी वस्तु गिरी

पुंछ 23 अप्रैल । जिले के मेंढर के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास एक ड्रोन जैसी वस्तु गिरी है। एक अधिकारी ने बताया कि बालाकोट सेक्टर में सरकारी हाई स्कूल धारटी के पास एक ड्रोन जैसी वस्तु गिरती हुई देखी गई। उन्होंने बताया कि आसमान से गिरी वस्तु के टुकड़े एकत्र कर लिए गए है और उनका विश्लेषण किया जा रहा है।

दस दिन बाद मुगल रोड आंशिक रूप से यातायात के लिए खुला

पुंछ, 23 अप्रैल। ताजा बर्फबारी के चलते दस दिन बंद रहने के बाद कश्मीर घाटी के शोपियां जिले को राजौरी और पुंछ के जुड़वां जिलों से जोड़ने वाली मुगल रोड को आंशिक रूप से यातायात के लिए खोल दिया गया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने मंगलवार को दी।

उन्होंने कहा कि पीर की गली सहित सड़क के किनारे कई स्थानों पर ताजा बर्फबारी के बाद मार्ग खोल दिया गया है। डीटीआई मुगल रोड कपिल मन्हास ने बताया कि सड़क को आपातकालीन उद्देश्यों के लिए आंशिक रूप से खोला गया है। अधिकारी ने बताया कि इस बीच कश्मीर घाटी को बाहरी दुनिया से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क संपर्क जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर दोनों तरफ से यातायात जारी है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा श्रीनगर से कारगिल की ओर एसएसजी रोड पर एकतरफा यातायात चल रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को लेन अनुशासन का पालन करने की सलाह दी गई है क्योंकि ओवरटेक करने से जाम की स्थिति बन सकती है।

जम्मू-कश्मीर के तापमान में वृद्धि दर्ज

श्रीनगर, 23 अप्रैल। कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा और भद्रवाह को छोड़कर जम्मू-कश्मीर में न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन मंगलवार को तापमान सामान्य से नीचे रहा।पूर्वानुमान के संबंध में मौसम विज्ञानियों ने कहा कि 25 अप्रैल तक आम तौर पर शुष्क मौसम की उम्मीद है लेकिन दोपहर में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश व ओलावृष्टि की गतिविधि से इंकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 26-28 अप्रैल तक आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ हल्की बर्फबारी (ऊंचाई वाले स्थानों पर) होने की संभावना है। इसके बाद 29-30 अप्रैल तक आमतौर पर बादल छाए रहने और कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

भाजपा के सत्ता में आने पर जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की संभावना कम : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 23 अप्रैल । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर भाजपा एक बार फिर सत्ता में आएगी तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की संभावना कम है।

फारूक अब्दुल्ला ने नावा-ए-शुभ श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि मुझे नहीं पता कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होंगे या नहीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की तारीख तय कर दी है लेकिन मैं भाजपा के इरादों से निराश हूं जो अगर एक बार फिर सत्ता में आई तो शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस में पुतिन की तरह आजीवन सत्ता में बने रहना चाहते हैं।

डॉ. फारूक ने कहा कि गुलाम नबी आजाद, सज्जाद गनी लोन और अल्ताफ बुखारी को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि वे किसके लिए खेल रहे हैं और उनसे मुस्लिम विरोधी पहचान वाले लोगों का समर्थन करने के अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया। घाटी में अनिर्धारित बिजली कटौती पर एक सवाल के जवाब में एनसी अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में बिजली संकट कमजोर हो सकता है और अगर वे सत्ता में बने रहे तो स्थिति और अधिक अराजक हो जाएगी।

तिहाड़ में बंद अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। आज केजरीवाल की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया।

कोर्ट ने 15 अप्रैल को केजरीवाल को आज तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। 28 मार्च को पेशी के दौरान केजरीवाल ने कहा था कि ये राजनीतिक साजिश है, जनता इसका जवाब देगी। 28 मार्च को केजरीवाल ने खुद कोर्ट में अपनी बात रखते हुए कहा था कि असली घोटाला तो ईडी की जांच के बाद शुरू हुआ। ईडी का मकसद आम आदमी पार्टी को खत्म करना है। ईडी का मकसद एक स्मोक क्रिएट करना था कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचारी है। ईडी का दूसरा मकसद उगाही करना है। इस मामले में शरद रेड्डी ने गिरफ्तारी के बाद भाजपा को 55 करोड़ रुपया दिया। भाजपा को इलेक्टोरल बॉण्ड के रूप में पैसा देने के बाद शरद रेड्डी को जमानत मिल गई।

दिल्ली हाई कोर्ट से 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने उसी दिन देर शाम केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 27 मार्च को हाई कोर्ट ने केजरीवाल को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया था। हाई कोर्ट ने 28 मार्च को केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी।

बांदीपोरा जिले में दो व्यक्तियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

श्रीनगर, 23 अप्रैल । पुलिस ने बांदीपोरा जिले में दो व्यक्तियों पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। इन पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लगातार शामिल होने का आरोप है।

बांदीपुरा पुलिस ने नैदखाई सुंबल निवासी गुलाम दीन वार और वार्ड नंबर 6 नेब्रापोरा निवासी फिरदौस अहमद खान के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें कोट भलवाल की सेंट्रल जेल में बंद कर दिया है।

लद्दाख लोकसभा सीट से भाजपा ने उतारा ताशी ग्यालसन को

लेह, 23 अप्रैल । भारतीय जनता पार्टी ने लद्दाख लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से ताशी ग्यालसन की उम्मीदवारी की घोषणा की है।

बीजेपी ने इस सीट से मौजूदा सांसद जामयांग सेरिंग नामग्याल को इस बार टिकट नहीं दी।

हालांकि संसद में अपने पहले भाषण के बाद जामयांग पूरे भारत में प्रसिद्ध हो गए।

आरोग्य भूमि के रूप में स्थापित होगी देवभूमि उत्तराखंड की ख्याति : राष्ट्रपति

देहरादून, 23 अप्रैल । उत्तराखंड दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आयुर्वेद सहित भारतीय परंपरा की उपचार पद्धतियों के लिए उत्तराखंड में अनेक स्वास्थ्य केंद्र सेवारत हैं। एम्स ऋषिकेश में एलोपैथी के साथ आयुष चिकित्सा पद्धति से भी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। ऐसे में व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं से देवभूमि उत्तराखंड की ख्याति आरोग्य भूमि के रूप में भी स्थापित होगी। राष्ट्रपति मंगलवार को एम्स ऋषिकेश के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने 598 मेडिकल विद्यार्थियों को दी उपाधि, गोल्ड-सिल्वर-कांस्य पदक से नवाजा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि प्राचीन महाकाव्यों में उत्तराखंड को औषधि और उपचार से जोड़ा गया है। रामायण कथा के अनुसार इसी क्षेत्र से संजीवनी बूटी लेकर वायु मार्ग से हनुमानजी प्रभु श्रीराम और लक्ष्मणजी के पास पहुंचे थे और लक्ष्मणजी के उपचार में अपना योगदान दिया था। ऐसे कथानकों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने गहन और कल्याणकारी संदेश दिए हैं। राष्ट्रपति ने कम समय में ही प्रचुर प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए अतीत और वर्तमान में एम्स ऋषिकेश से जुड़े सभी लोगों की सराहना की।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और पतंजलि का माफीनामा फिर अस्वीकार किया

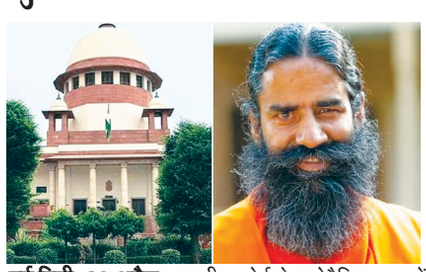

नई दिल्ली, 23 अप्रैल । सुप्रीम कोर्ट ने एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन देने के केस में बाबा रामदेव और पतंजलि का माफीनामा फिर अस्वीकार कर दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को 30 अप्रैल को फिर सुप्रीम कोर्ट में पेश होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को विज्ञापन का साइज बड़ा करने और माफीनामा को हाई लाइट करने के लिए कहा ताकि लोगों को समझ में आए। सुनवाई के दौरान पतंजलि के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमने 67 अखबारों में माफीनामा दिया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या अखबारों को दिया गया माफीनामा उतने ही साइज का है जितना बड़ा आप विज्ञापन देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई का दायरा बड़ा करते हुए कहा कि मामला सिर्फ एक संस्था (पतंजलि) तक सीमित नहीं रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि भ्रामक विज्ञापन के जरिए उत्पाद बेच कर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली बाकी कंपनियों के खिलाफ उसने क्या कार्रवाई की है। कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से पूछा कि एलोपैथी डॉक्टर खास ब्रांड की महंगी दवाइयां अपने पर्चे में क्यों लिखते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन से पूछा कि क्या जानबूझकर महंगी दवा लिखने वाले डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने हर राज्य की दवा लाइसेंसिंग ऑथोरिटी को भी मामले में पक्षकार बनाया है।

मलेशिया में नौसेना के दो हेलीकॉप्टर आसमान में टकराए, तीन महिलाओं समेत 10 की मौत

कुआलालंपुर, 23 अप्रैल। मलेशियाई नौसेना के दो हेलीकॉप्टर बीच हवा में टकरा गए। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा मंगलवार को रॉयल मलेशियाई नौसेना परेड की रिहर्सल के दौरान हुआ नौसेना ने बयान में पुष्टि की है कि रॉयल मलेशियाई नौसेना परेड रिहर्सल के लिए एक साथ कई हेलीकॉप्टर्स ने उड़ान भरी। इस दौरान दो हेलीकॉप्टर अचानक बहुत करीब आ गए और अनहोनी घट गई। यह हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय अगले महीने नौसेना की 90वीं वर्षगांठ के जश्न के लिए उत्तरी पेराक राज्य में एक नौसैनिक अड्डे पर प्रशिक्षण ले रहे थे।रॉयल मलेशियाई नौसेना के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतकों में तीन महिलाओं सहित चालक दल के सात सदस्य शामिल हैं। सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए इपोह के राजा पेरमासुरी बैनुन अस्पताल भेजे गए हैं।

पेराक पुलिस प्रमुख कामरेड दातुक सेरी मोहम्मद युसरी हसन बसरी ने कहा है कि घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच का नेतृत्व नौसेना, अग्निशमन बचाव विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। रॉयल मलेशियाई नौसेना के स्क्वाड्रन 503 ने हादसे में हताहत अपने चार सहयोगियों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सेपंगार में रॉयल मलेशियाई नौसेना के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर मोहम्मद फदज़लि सलेह ने कहा है कि हादसे में हताहत स्क्वाड्रन 503 के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर मुहम्मद फिरदौस रामली अनुभवी पायलट थे। पीड़ित परिवारों को दोपहर 1: 20 बजे रॉयल मलेशियाई वायुसेना के विमान से कोटा किनाबालु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के माध्यम से

बुधवार शाम से श्रीनगर का ट्यूलिप गार्डन आम जनता के लिए हो जाएगा बंद

श्रीनगर, 23 अप्रैल। अधिकारियों ने बुधवार शाम से श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन को आम जनता के लिए बंद करने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने कहा कि प्रसिद्ध डल झील की ओर देखने वाला यह उद्यान फूलों के घटने के कारण बुधवार शाम को जनता के लिए बंद कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि जब उद्यान खुला था तो एक महीने की अवधि में 4.25 लाख लोगों ने इसका दौरा किया। वहीं पिछले साल 3.60 लाख लोगों ने गार्डन का दौरा किया था।

आतंकी हमले के बाद राजौरी में हाई अलर्ट, सुरक्षा बलों ने चलाया तलाशी अभियान

राजौरी, 23 अप्रैल । राजौरी में सोमवार देर शाम आतंकी हमले की वारदात के बाद सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राजौरी जिले के थन्ना मंडी तहसील के शाहदरा शरीफ इलाके में स्थित कुंडा गांव में फिलहाल तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है।

पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम अज्ञात आतंकवादियों ने राजौरी के कुंडा टॉप में समाज कल्याण विभाग के जूनियर असिस्टेंट मोहम्मद रजाक कुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी।

इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के साथ एक संयुक्त अभियान में आतंकियों के सहयोगी (ओजीडब्ल्यू) एक स्कूल हेडमास्टर को पुंछ के हरि बुद्ध इलाके से एक विदेशी निर्मित पिस्तौल और चीनी ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया था।

105 कमरों वाला शापित होटल रयुगयोंग

वैसे तो उत्तर कोरिया अपने अजीबोगरीब कानूनों और मिसाइलों के परीक्षण के वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन इसके साथ ही यहां ऐसी कई चीजें हैं, जो लोगों को हैरान करती हैं। इन्हीं में से एक है पिरामिड जैसे आकार और नुकीले सिरे वाली एक गगनचुंबी इमारत, जो एक होटल है। इस होटल का आधिकारिक नाम रयुगयोंग है, लेकिन इसे यू-क्यूंग के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयोंग में 330 मीटर ऊंचे इस होटल में कुल 105 कमरे हैं। लेकिन आज तक कोई भी व्यक्ति यहां ठहरा नहीं है। बाहर से बेहद ही शानदार, लेकिन वीरान से दिखने वाले इस होटल को 'शापित होटल' या 'भुतहा होटल' के नाम से जाना जाता है। इस होटल को '105 बिल्डिंग' के नाम से भी जाना जाता है। कुछ साल पहले अमेरिकी मैगजीन ईस्क्वाइयर ने इस होटल को 'मानव इतिहास की सबसे खराब इमारत' करार दिया था। इस होटल के निर्माण में बहुत पैसे खर्च हुए हैं। जापानी मीडिया के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने इसके निर्माण पर कुल 750 मिलियन डॉलर यानी करीब 55 अरब रुपये खर्च किए थे। यह रकम उस समय उत्तर कोरिया की जीडीपी की दो फीसदी थी। लेकिन फिर भी आज तक यह होटल शुरू नहीं हो पाया। वैसे तो इस होटल को दुनिया के सबसे ऊंचे होटल के रूप में बनाया जा रहा था, लेकिन अब इसकी एक अलग ही पहचान बन गई है। दुनिया इस होटल को अब 'धरती की सबसे ऊंची वीरान इमारत' के तौर पर जानने लगी है। इस खासियत की वजह से इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। कहते हैं कि अगर यह होटल तय समय पर पूरी तरह से बन गया होता, तो यह दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची इमारत और सबसे ऊंचे होटल के तौर पर जाना जाता है। इस इमारत का निर्माण कार्य साल 1987 में शुरू हुआ था। बीबीसी के मुताबिक, तब यह उम्मीद जताई गई थी कि यह होटल दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कभी इसे बनाने के तरीके के साथ दिक्कत हुई, तो कभी निर्माण सामग्री के साथ समस्या आ गई। इसके बाद साल 1992 में आखिरकार इस होटल के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा। क्योंकि उस समय उत्तर कोरिया आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया था।

हालांकि, साल 2008 में इसे बनाने का काम फिर से शुरू हुआ। पहले तो इस विशालकाय होटल को व्यवस्थित करने में ही करीब 11 अरब रुपये खर्च हो गए। इसके बाद फिर निर्माण कार्य शुरू हुआ। पूरी इमारत में शीशे के पैनल लगाए गए और बाकी के छोटे-मोटे काम कराए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2012 में उत्तर कोरिया के प्रशासन ने ये एलान किया था कि होटल का काम 2012 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन यह हो नहीं पाया। इसके बाद भी कई बार उम्मीदें लगाई गईं कि होटल इस साल शुरू होगा, उस साल शुरू होगा, लेकिन हकीकत तो यही है कि आज तक यह होटल खुल नहीं पाया है। कहते हैं कि अभी भी इस होटल का काम आधा-अधूरा ही है।

वैसे तो हम सब आईलैंड का नाम सुनते ही सोच लेते है कि वहां जाना रोमांच से भरा होगा। विश्व में कई ऐसे आईलैंड भी मौजूद है, जहां साल भर लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन दुनिया में एक आइलैंड ऐसा भी है जहां सिर्फ सांपों का बसेरा है, यहां इंसानों का आना-जाना मना है। इस आइलैंड का नाम स्नेक आईलैंड है, जिसे इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें भी कहा जाता है। वैसे तो ब्राजील का यह आइलैंड बहुत खूबसूरत है, लेकिन यह सिर्फ 43 हेक्टेयर का एक छोटा आकार का द्वीप है। द्वीप में हरीभरी चट्टानें बड़ी तदाद में मौजूद है जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाता है। आइए जानें क्या है इस आईलैंड में खास

स्नेक आईलैंड - इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें

यहां इंसानों का आना-जाना मना है

इस आइलैंड की खास बात यह है कि यहां पाए जाने वाले सांप विश्व में कहीं नहीं पाए जाते। दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का बसेरा भी इसी आइलैंड पर है। ऐसा कहा जाता है कि इस आइलैंड से इंसान का जिंदा लौटकर वापस जाना लगभग नामुमकिन है। बता दें कि आइलैंड पर ब्राजीलियाई नौसेना को जाने की अनुमति दी गई हैं। दरअसल, सांप की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध हैं। जानकारों की माने तो स्नेक आइलैंड पर वाइपर, गोल्डन लांसहेड जैसे खतरनाक प्रजाति वाले सांप भी मिलते हैं। वाइपर सांप उड़ने में सक्षम होते हैं, इसलिए इन्हें खतरनाक माना गया है। कहा जाता है कि इन सांपों का जहर इतना खतरनाक है, जो इंसान का मांस तक गाला सकता है, इस बात से आप यह अनुमान लगा सकते है की यहां मौजूद सांप कितने खतरनाक है। यहां अलग- अलग प्रजाति के 4 लाख से भी ज्यादा सांप रहते है। यहां पाए जाने वाले सांप बेहद दुर्लभ है। इनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए तक हैं। इस कारण कई तस्कर यहां आकर अवैध रुप से सांपों को पकड़ते है और उन्हें अंतराष्ट्रीय बाजार में बेच देते है।

सांपों वाले इस द्वीप का राज

जब समुद्र का जल स्तर भूमि से ढकनें लगा था, तब सांप इस द्वीप पर फंस गए थे, यह द्वीप ब्राजील से जुड़ा हुआ था। वहां के मौजूदा प्राकृतिक स्थिति में सांप ढल गए और धीरे-धीरे सांपों की संख्या बढ़ती चली गई, और फिर लोगों के लिए यहां रह पाना मुश्किल हो गया,तब से ही इसे स्नेक आइलैंड कहा जाने लगा।

कौन सा सांप है IUCN की रेड लिस्ट में शामिल

स्नेक आईलैंड में रहने वाले सांप की एक प्रजाति जिसें गोल्डन लांसहेड कहा जाता है, वह IUCN (प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ) की रेड लिस्ट में शामिल है। बता दें इस सांप की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 18 लाख रुपए तक है।

आइलैंड का महत्व

इस आइलैंड में सांपों के बसे होने के कारण यहां इंसान घुसपैठ नहीं कर सकते, इसलिए यह आइलैंड़ जनवरों के लिए सुरक्षित है। इसके साथ ही प्रकृति की संरचना के लिए भी यह आइलैंड बहुत महत्वपूर्ण है।

क्या होती है IUCN की रेड लिस्ट

IUCN एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो प्रकृति के संरक्षण के लिए काम करती है। IUCN की रेड लिस्ट में जिन जानवरों को रखा गया,उनकी संख्या पूरे दुनिया में बहुत कम है,और अगर इसी तरह से उनकी संख्या कम होती गई, तो एक दिन वो लुप्त हो जाएंगे। जैसे डायनासोर अब पृथ्वी पर नहीं रहे।

इस कुएं को कहा जाता है नरक का द्वार, आजतक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

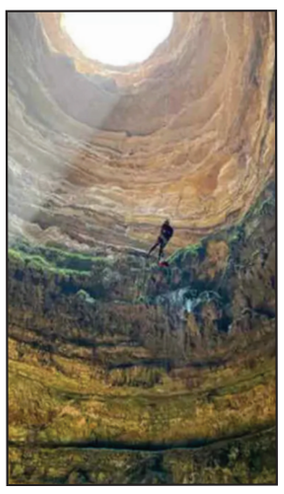

हमारी पृथ्वी पर ऐसी तमाम चीजें हैं जिनके रहस्य को आजतक कोई नहीं जान पाया.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे नरक का द्वार कहा जाता है.दुनियाभर के वैज्ञानिकों के लिए ये कुआं आज भी रहस्य बना हुआ है क्योंकि इसके बारे में किसी को ज्यादा जानकारी नहीं है.

नरक का द्वार कहा जाने वाला ये कुआं यमन के बरहूत में स्थित है.इसे नरक का रास्ता भी कहा जाता है.इस जगह को दुनियाभर में इसी नाम से जाना जाता हैतमाम लोगों का कहना है कि इस रहस्यमयी गड्ढे के अंदर पहले शैतानों को कैद किया जाता था.वहीं कुछ लोग ये भी मानते हैं कि इस कुएं के अंदर आज भी भूत रहते हैं.इन सब के बावजूद वैज्ञानिकों की एक टीम ने इसके अंदर प्रवेश किया है.

बता दें कि ये स्थान यमन के एक रेगिस्तान के बीच में स्थित है.इस जगह पर एक बहुत बड़ा कुआं है.लंबे समय से ये कुआं रहस्यमयी बना हुआ था.हाल ही में इस कुएं के भीतर ओमान के 8 लोगों की एक टीम ने प्रवेश किया. इसके भीतर प्रवेश करने के बाद उन्होंने ये जानने की कोशिश की कि वास्तविकता में इस कुएं के अंदर क्या है? लंबे समय से यहां के स्थानीय लोग इस बात को कहते आ रहे थे कि इस जगह पर जिन और भूत रहते हैं.गौरतलब बात है कि स्थानीय लोगों के अंदर इस जगह को लेकर इतना डर है कि वो इसके बारे में बात करने से भी डरते हैं.

संबंधित कहानियां

जब वैज्ञानिकों की टीम ने कुएं के अंदर प्रवेश किया तो उनको किसी भी प्रकार का जिन और भूत उसमें देखने को नहीं मिला.हालांकि कुएं के अंदर सांप और गुफाओं वाले मोती जरूर मिले.बता दें कि ये गड्ढा करीब 30 मीटर चौड़ा है और इसकी गहराई 100-250 मीटर तक है. ओमान केव एक्सप्लोरेशन की टीम ने इसके अंदर प्रवेश करने के बाद उसे अच्छे से एक्सप्लोर किया.

ओमान की जर्मन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर मोहम्मद अल किंदी बताते हैं कि गुफा के भीतर कई सांप थे, पर उन्होंने किसी पर हमला नहीं किया.गुफा की दीवारों पर कई बनावट भी दिखीं थीं.वैज्ञानिकों का कहना है कि ये गड्ढा लाखों साल पुराना है.इसमें काफी रिसर्च की जरूरत है.हालांकि गड्ढे के एकदम नीचे रोशनी नहीं पहुंचती है.जिसके चलते वहां गहरा अंधेरा है.

गुलाब जामुन का पेड़

गरमी की छुट्टियां होते ही अंशज अपने ननिहाल बीकानेर आ गया। पिछली बार जब वह आया था, तब छोटा था और इस बार कुछ बड़ा और समझदार हो गया है। छोटा था, तब उसे हर काम कहना पड़ता था। अब कुछ जरूरी काम वह बिना कहे ही करने लगा है। ननिहाल में पहुंचते ही उसने नाना-नानी के पैर छुए। मम्मी हंसकर बोलीं, अब तुम सचमुच बड़े हो गए हो।

अंशज को भूख लग गई थी। वह सोचने लगा कि उसे क्या कहना चाहिए और किसे कहना चाहिए। बड़े जो होते हैं, वे भूख लगी है ऐसे सीधे-सीधे कभी किसी से कहते नहीं हैं।

अंशज ने अपनी मम्मी से पूछा, मम्मी, मैं बड़ा हूं या छोटा?

मम्मी ने कहा, क्यों? ऐसे क्यों पूछ रहा है?

अंशज ने अपनी मम्मी के कान में धीरे से बोला, मुझे भूख लगी है और मैं छोटा हूं। बड़े तो ऐसा बोलते नहीं ना कि भूख लगी है।

मम्मी हंसने लगीं और बोलीं, चल, मैं तुझे खाने को कुछ देती हूं। अंशज को उसकी मम्मी प्यार से अंशी कहती थीं।

नाना और नानी को अंशी की बात जब उसकी मम्मी ने बताई, तो वे भी हंसने लगे। नानाजी हाथ में मिठाई का डिब्बा लाए और बोले, ले अंशी, तेरे लिए। अंशज ने जैसे ही नानाजी के हाथ में रसगुल्लों का डिब्बा देखा, तो उछल पड़ा। अरे नानाजी, रसगुल्ले। मैं सारे खा जाऊंगा। वैसे तो मुझे गुलाब जामुन बहुत पसंद हैं। आज रसगुल्ले ही ठीक हैं। अंशज डिब्बा नानाजी के हाथ से लेने लगा, तो मम्मी ने उसे टोका, नहीं अंशी, ऐसे तुम कपड़े गंदे कर लोगे। मैं तुम्हें खिलाती हूं। अंशज तो यही चाहता था। उसकी तो नानाजी के घर आते ही मौज लग गई। अंशज ने बड़े-बड़े तीन रसगुल्ले खाए। वह तो चार भी खा सकता था, पर मम्मी ने बीच में ही कह दिया, अभी बस इतने ही, बाकी बाद में। ये कहीं भागे नहीं जा रहे हैं।

नानीजी बोलीं, बीकानेर के तो रसगुल्ले और भुजिया नमकीन बहुत प्रसिद्ध हैं।

अंशज तुरंत बोला, देखो नानीजी, मैं छोटा हूं और कह सकता हूं, रसगुल्ले तो खा लिए, पर भुजिया-नमकीन कहां हैं?

नानीजी ने कहा, अरे भुजिया और नमकीन सब मिलेगा। मैं तुम्हारे मामा से कह दूंगी वह तुम्हारे लिए गुलाब जामुन भी ले आएगा। अब तो खुश हो?

अंशज ने भुजिया और नमकीन का भी आनंद लिया। शाम को घर लौटते हुए उसके मामा गुलाब जामुन लाना नहीं भूले।

मामाजी से अंशज ने पहला सवाल किया, मामाजी, आप गुलाब जामुन कहां से लाए?

मामाजी ने मुसकराते हुए कहा, अरे, तुम्हें नहीं पता? मेरे ऑफिस में गुलाब जामुन का पेड़ है। जितने चाहे तोड़कर घर ले आओ। मेरे साहब बहुत अच्छे हैं। उन्होंने तो यहां तक बोला है कि तुम अपने भांजे के लिए गुलाब जामुन के बीज ले जाना और उसके घर लगवा देना।

सच! पर उन्हें कैसे पता चला कि मुझे गुलाब जामुन पसंद हैं?

जब तुम्हारी नानी मुझे गुलाब जामुन लाने के लिए कह रही थीं, तब इतने जोर से बोल रही थीं कि मेरे पास बैठे साहब ने भी सुन लिया था। अब बीच में मम्मी बोलीं, अच्छा है ना, वह तुम्हारे लिए गुलाब जामुन के बीज देंगे, फिर तुम भी गुलाब जामुन का पेड़ लगा लेना। हां मम्मी, कितना अच्छा होगा। फिर जब मेरी इच्छा होगी तब फटाक से गुलाब जामुन तोड़ा और मुंह में। कितना मजा आएगा। मामाजी बोले, वह मजा तो जब आएगा, तब आएगा, अभी तो मजा लो। यह लो खाओ गुलाब जामुन।

अगले दिन नानाजी ने अंशज को बताया कि कल सब उसके साथ मजाक कर रहे थे। असल में गुलाब जामुन का कोई पेड़ होता ही नहीं। हां, गुलाब का पौधा और जामुन का पेड़ जरूर लगाया जाता है।

अंशज ने नानाजी से कहा, नानाजी, फिर तो हो गया काम। हम गुलाब का पौधा और जामुन का पेड़ एक साथ लगा देंगे, फिर तो गुलाब जामुन हो जाएंगे ना?

नानाजी हंसने लगे और अपनी गरदन हिलाकर कहा, नहीं-नहीं। अंशज बोला, कोई बात नहीं नानाजी! और सुन रही हो नानीजी, मैं जब पूरी तरह बड़ा हो जाऊंगा, तब गुलाब जामुन के पेड़ का आविष्कार करूंगा।

अंशज की मम्मी बोलीं, हां, यह हुई ना बात। तुम अभी से इसके बारे में सोचने लग जाओ। सोचना यह है कि क्या हो सकता है और क्या नहीं हो सकता है।

नानाजी हंसते हुए बोले, दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो नहीं हो सकता है। सब कुछ हो सकता है। नानीजी कहां चुप रहने वाली थीं, वह भी बोलीं, जरूर हो सकता है बेटा, असंभव भी संभव हो सकता है। मेरा अंशज जरूर आसमान से तारे तोड़कर लाएगा। अंशज ने बस इतना कहा, देखना, मैं हर असंभव को संभव करूंगा। मुझे बस पूरा बड़ा होने दो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

सामान्य पर्यवेक्षक ने राजौरी में चुनाव तैयारियों की समीक्षा हेतु नोडल अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की

राजौरी 23 अप्रैल। अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र के लिए सामान्य पर्यवेक्षक संजीव कुमार बेसरा ने इस सीमावर्ती जिले में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने के लिए नोडल अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। एमसीसी के प्रवर्तन, शिकायत निगरानी, संचार योजना, एसएमएस निगरानी, एमसीएमसी, सामग्री प्रबंधन, ईवीएम और वीवीपैट का भंडारण, प्रशिक्षण और स्वीप, मतपत्रों की छपाई, परिवहन योजना आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। सामान्य पर्यवेक्षक ने अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को अटूट समर्पण और जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, संजीव कुमार बेसरा ने चुनावी प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए सावधानीपूर्वक योजना और त्रुटिहीन निष्पादन के सर्वोपरि महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए कड़ी सतर्कता, पारदर्शिता और ईसीआई दिशानिर्देशों के पालन की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने जिम्मेदारियों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हुए, नोडल अधिकारियों को सौंपे गए विभिन्न कार्यों और कर्तव्यों की रूपरेखा तैयार की। अधिकारियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अनुकरणीय प्रतिबद्धता और परिश्रम दिखाने का निर्देश दिया। अपनी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए नोडल अधिकारियों के सामूहिक संकल्प और क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया, जिससे राजौरी जिले में लोकसभा चुनाव के सफल संचालन में योगदान मिलेगा। बैठक में एडीडीसी राज कुमार थापा, एडीसी राजौरी राजीव खजूरिया, सीपीओ मकसूद अहमद, डिप्टी डीईओ शकील मीर, डीएसईओ संदीप शर्मा, सीएएचओ डॉ. खालिद हुसैन, सीएओ सोहन सिंह, डीआईओ मोहम्मद नवाज चौधरी, डीएसडब्ल्यूओ वकील अहमद भट्ट, डीटीओ मोहम्मद बशीर एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

जीसीओई जम्मू को तंबाकू मुक्त परिसर घोषित किया गया

जम्मू 23 अप्रैल। कॉलेज प्रशासन ने जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के बाद गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन को तंबाकू मुक्त परिसर घोषित किया है।

कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि एनसीओआरडी समिति ने जीसीओई, जम्मू के आईआईसी के साथ मिलकर राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तत्वावधान में फतंबाकू और उसके उत्पादों का उपयोग न करेंफ पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की और परिसर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित किया।

आयोजित कार्यक्रमों में फतंबाकू और उसके उत्पादों का सेवन न करने की प्रतिज्ञा, एक जागरूकता रैली और कॉलेज परिसर में साइनेज बोर्ड की स्थापना शामिल थी।

डॉ. ज्योति परिहार के नेतृत्व में लगभग 50 छात्रों और 20 स्टाफ सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ सभी कार्यक्रमों में भाग लिया, जिन्होंने छात्रों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया।

ये कार्यक्रम प्रोफेसर सुनंदा रानी संयोजक आईआईसी और एनसीओआरडी समिति के समग्र मार्गदर्शन में एनसीओआरडी समिति के सदस्यों प्रोफेसर रूपा कुमारी, प्रोफेसर किरण थापा और डॉ. शालिनी शर्मा के साथ आयोजित किए गए थे।

एसपीएस लाइब्रेरी में विशेष साहित्यिक संग्रहों की प्रदर्शनी आयोजित की गई

श्रीनगर 23 अप्रैल। आज मनाए जा रहे विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस-2024 के सिलसिले में एसपीएस लाइब्रेरी कॉम्प्लेक्स में पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और लघु चित्रों सहित विशेष साहित्यिक संग्रहों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

एसपीएस लाइब्रेरी श्रीनगर और ओरिएंटल रिसर्च लाइब्रेरी श्रीनगर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण काराबाई-दीन, साध पांडलुकमान और शाहनामा फिरदौस जैसी ऐतिहासिक पांडुलिपियां थीं। प्रदर्शनी में कल्हाना की राजतरंगनी, तारीख-ए-रशीदी, कश्मीर के एक इतिहास-भारत और कशूर का गजेटियर सहित कुछ दुर्लभ पुस्तकें भी प्रदर्शित की गईं।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, ओआरएल श्रीनगर श्रीमती इशरत मजीद ने कहा कि 1904 में स्थापित ओरिएंटल रिसर्च लाइब्रेरी, श्रीनगर, विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए 17 भाषाओं में लगभग 6000 दुर्लभ पांडुलिपियों का भंडार है। पुस्तकालय में लगभग 500 दुर्लभ पुस्तकें और लघु चित्र भी हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग ने इन ऐतिहासिक दस्तावेजों के प्रभावी संरक्षण हेतु तकनीकी और पेशेवर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन से संपर्क किया है और ओआरएल में दुर्लभ पांडुलिपियों के बड़े संग्रह से प्रभावित होकर, संयुक्त सचिव, संस्.ति मंत्रालय, भारत सरकार श्रीमती मुग्धा सिन्हा ने इन पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु भारत सरकार से उदार समर्थन का आश्वासन दिया है।

इशरत ने कहा कि ओआरएल का पांडुलिपि संग्रह फारसी, संस्.त और अरबी जैसी शास्त्रीय भाषाओं में समृद्ध धार्मिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक और वैज्ञानिक लेखन का खजाना है। इन भाषाओं ने रूपों और दायरे के संदर्भ में कश्मीरी भाषा के विकास को अनुकूलित करके उस पर गहरी छाप छोड़ी है। ऐसी प्रदर्शनियां हमारी युवा पीढ़ी को जम्मू-कश्मीर की संस्.ति, परंपराओं, विरासत और इतिहास से अवगत करवाती हैं।

विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने इस प्रदर्शनी का दौरा किया।

पूर्व मंत्री पंडित गोविंद राम शर्मा की अंमित यात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने लिया भाग

अखनूर, 23 अप्रैल (हि.स.)। पूर्व मंत्री पंडित गोविंद राम शर्मा का अंतिम संस्कार मंगलवार को चंदिया घाट पर किया गयां उनकी अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

उनकी अंतिम यात्रा उनके पैतृक गाँव मैरा मान्दरैया से शुरू की गई और भाजपा कार्यलय मांडा में उनको हजारों की सँख्या में चाहने वालों ने श्रद्धांजलि देकर उनके अंतिम दर्शन किए। उसके बाद उनका अंतिम संस्कार चंदिया घाट चन्द्रभागा के किनारे किया गया। उनका जन्म 1930 अगस्त माह में अपने गांव में हुया था। युवा अवस्था में ही वह राजनैतिक समाजसेवी विचार धारा के थे।

वर्ष 1983 व 1987 के चुनाव आजाद उम्मीदवार के तौर पर लड़े। 1987 में वह विधायक बने। उसके बाद वर्ष 1996 में वह नेकां की टिकट पर चुनाव लड़े और जीत के बाद वह फारूख अब्दुल्लाह की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बने। अपने राजनीतिक कार्यकाल में विकास के कार्य के साथ उन्होंने बेरोजगारों को भी नौकरियाँ दिलवाई।

फारूख, उमर सहित कई राजनितिक बड़े लोगों से उनके परिवारिक संबन्ध रहे हैं। आज उनकी अंतिम यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित कई सामाजिक व राजनितिक लोगों ने श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया। वह इस समय 94 साल के थे और बड़ा भरा परिवार अपने पीछे छोड़ गये।

नहीं रहे भाजपा नेता पंडित गोविंद राम शर्मा

अखनूर, 23 अप्रैल (हि.स.)। अखनूर के पूर्व मंत्री पंडित गोविंद राम शर्मा का आज यानि मंगलवार को निधन हो गया जबकि आज उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की तादाद में लोगों ने शामिल होकर उन्हें पुष्प अर्पित करके नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस श्रद्धांजलि समारोह में भाजपा प्रदेषाध्यक्ष रविंद्र रैना और उनके साथ भाजपा के कई कार्यकर्ता स्वर्गीय पंडित गोविंद राम जी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

यह यात्रा उनके घर से शुरू हुई और अखनूर के चंदिया घाट पर आकर समाप्त हुई। यहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सीयूजे छात्रों ने 47वीं आईटीबीपी बटालियन का दौरा किया

जम्मू, 23 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने सांबा जिले में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) शिविर की 47वीं बटालियन के लिए एक दिवसीय शैक्षिक क्षेत्र दौरे का आयोजन किया। शैक्षिक यात्रा में विभाग के छात्रों, विद्वानों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। यह यात्रा राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग की प्रमुख प्रोफेसर रितु बख्शी के कुशल नेतृत्व में आयोजित की गई थी। यह शैक्षिक यात्रा छात्रों और विद्वानों को आईटीबीपी बटालियन के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करने के लिए थी ताकि उनकी कक्षा और वैचारिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव के साथ पूरक किया जा सके।

यात्रा की शुरुआत 47 आईटीबीपी बटालियन द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। विभाग के छात्र, विद्वान और शिक्षकों ने हथियारों और उपकरण को देखा, फोटो प्रदर्शनी में भाग लिया, आईटीबीपी स्टेटस फिल्म की स्क्रीनिंग और कमांडेंट राकेश कुमार के एक मनोरम व्याख्यान के माध्यम से आईटीबीपी की कार्यप्रणाली से परिचित हुए। कमांडेंट ने छात्रों को आईटीबीपी के ऐतिहासिक विकास, इसकी संगठनात्मक संरचना और भारत की सीमाओं को सुरक्षित और प्रबंधित करने में इसकी भूमिका से परिचित करवाया। उन्होंने छात्रों को शांति के साथ-साथ युद्ध के समय में विशिष्ट बल की विभिन्न भूमिकाओं, जैसे आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, कानून और व्यवस्था बनाए रखना, आपदा प्रबंधन, शांति बनाए रखने के मिशन आदि से अवगत कराया।

भगवान श्रीहनुमान जी ही युवाओं के असली आदर्श है: छिब्बर

जम्मू, 23 अप्रैल (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट की ओर से सुभाष नगर और मुट्ठी जम्मू में श्रीहनुमान जयंती मनाई गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के के ट्रस्टी आर के छिब्बर ने बताया की श्रीहनुमान जयंती का पर्व हर वर्ष बढ़ी धूम धाम से मनाया जाता है। इस दौरान 108 हनुमान चालीसा के पाठ, पूजा अर्चना की गई ओर भगवान को भोग लगाया गया है। उन्होंने कहा कि श्रीहनुमान जयंती का समारोह प्रकृति के अद्भुत प्राणी के साथ पूरी हनुमान प्रजाति के सह-अस्तित्व में संतुलन की ओर संकेत करता है। प्रभु हनुमान वानर समुदाय से थे,और सनातन धर्म के लोग हनुमान जी को एक दैवीय जीव के रुप में पूजते हैं। यह त्योहार सभी के लिए बहुत अधिक महत्व रखता है, हालांकि ब्रह्मचारी, पहलवान और बलवान इस समारोह की ओर से विशेष रुप से प्रेरित होते हैं।

गांदरबल के एनसी, कांग्रेस नेता, पूर्व सैनिक भाजपा में शामिल हुए

जम्मू, 23 अप्रैल (हि.स.)। मंगलवार को कांग्रेस और एनसी नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही पूर्व सैनिकों ने भी पार्टी का दामन थाम लिया है। त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजिर कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप महोत्रा, मीडिया प्रभारी, तिलक राज गुप्ता, कार्यालय सचिव, बलबीर राम रतन, पूर्व वीसी, राजेश्वर कुमार, जिला अध्यक्ष रामबन, और विजय मोहन ठाकुर, जिला अध्यक्ष डोडा ने पार्टी में नए प्रवेशकों का स्वागत किया।

डॉ. प्रदीप महोत्रा ने नए प्रवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी सरकार की नीतियों ने सभी क्षेत्रों और धर्मों के लोगों का दिल जीत लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की नीति में विश्वास करती है, जो सर्व-समावेशी है और इसमें सभी को शामिल किया गया है। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने उन वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए काम किया है, जो पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित थे और इससे लोगों का मोदी सरकार में विश्वास बढ़ा है। यह विश्वास दैनिक आधार पर विभिन्न पृष्ठभूमि के प्रमुख लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए आकर्षित कर रहा है।

इस अवसर पर नए सदस्यों ने कहा कि वे इस दृढ़ विश्वास के साथ भाजपा में आए हैं कि केवल यही पार्टी बिना किसी पूर्वाग्रह के सभी धर्मों के सम्मान और सभी क्षेत्रों के विकास में विश्वास करती है।

मोदी सरकार ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया : प्रजापति

जम्मू, 23 अप्रैल (हि.स.)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सुनील प्रजापति ने मंगलवार को सुंदरबनी-नौशेरा निर्वाचन क्षेत्रों में एक बैठक करते हुए जुगल किशोर शर्मा के लिए प्रचार किया। उन्होंने कहा कि सुंदरबनी नौशेरा क्षेत्र में विकास सभी ने देखा है। लिंक सड़कें भी अच्छी तरह से बनी हुई हैं। कांग्रेस के एक पीएम ने संसद में कहा था कि एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसे ही लोगों तक पहुंचते हैं लेकिन आज परिस्थिति बदल चुकी है। बैठक में मौजूद कैप्टन रमेश कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी सहित कमजोर वर्गों और गरीब परिवारों के कल्याण और विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। इन्हे 30 साल बाद पहली बार आरक्षण दिया गया है।

जिला पुस्तकालय कठुआ ने विश्व पुस्तक दिवस पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया

कठुआ 23 अप्रैल (हि.स.)। विश्व पुस्तक दिवस उपलक्ष पर जिला पुस्तकालय कठुआ ने पुस्तकों के महत्व को उजागर करने के मिशन के साथ पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में जिला पुस्तकालय कठुआ के पाठकों और प्रमुख नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उपलब्ध पुस्तकों को पढ़ा।

प्रदर्शनी का उद्घाटन शिक्षाविद एवं प्रसिद्ध लेखक शाम लाल खजूरिया और वरिष्ठ पत्रकार और कठुआ पुस्तकालय के पाठक मदन मंगोत्रा ने किया। जिला पुस्तकालय कठुआ के पुस्तकालयाध्यक्ष सुनील शर्मा ने संबोधित करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विश्व पुस्तक दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि शाम लाल खजूरिया ने युवाओं को इस दिन के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए जिला पुस्तकालय द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन में किताबें पढ़ने की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और सभी ने इसकी सराहना की। इसी प्रकार पाठक रूही, मोहित, पल्लवी ने भी पुस्तकों के महत्व पर अपने विचार साझा किये। वरिष्ठ पत्रकार और पाठक मदन मंगोत्रा ने जिला पुस्तकालय कठुआ को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

उधमपुर में विभिन्न स्थानों पर धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

उधमपुर, 23 अप्रैल (हि.स.)। उधमपुर में विभिन्न स्थानों पर भगवान श्री हनुमान जी की जयंती धूमधाम से मनाई। इस उपलक्ष्य पर रामायण पाठ, हवन यज्ञ व भंडारों का आयोजन किया गया।

कारगिल हनुमान मंदिर में गत दिन शुरू हुआ रामायण पाठ मंगलवार को समाप्त हो गया। वहीं इसके उपरांत हवन यज्ञ हुआ, जिसकी पूर्णाहुति के उपरांत विशाल भंडारा हुआ। जिसमें भारी संख्या में शहर वासियों ने पहुंचकर माथा टेका व भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

वहीं दूसरी चबूतरा में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी हनुमान जंयती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर वहां पर भी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें वहां पर भी काफी संख्या में शहर वासियों ने पहुंचकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया

सथेरा में नेकां नेताओं ने किया चुनाव प्रचार

मंडी , 23 अप्रैल (हि.स.)। पुंछ जिले की मंडी तहसील के ब्लॉक सथेरा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के तहत पूर्व सदस्य विधान सभा पुंछ इजाज जॉन के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता ताज मीर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष बाघ हुसैन राठौड़, अन्य पार्टी नेता, कार्यकर्ता और ब्लॉक सथेरा के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस मौके पर वक्ताओं ने नेशनल कांफ्रेंस के प्रतिनिधियों को संसदीय चुनाव में भारी बहुमत से जिताने की अपील की। इस दौरान संसदीय चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर पुंछ विधानसभा के पूर्व सदस्य ने कहा कि 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के युवा बेरोजगार हैं। जम्मू-कश्मीर के अंदर कर्मचारियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सिर्फ फोटो एस्टेट के दुकानदारों को फायदा पहुंचाया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन योजना के नाम पर 99% फंड का गबन किया गया है इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोग आज भी पानी की सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास केवल कागजी दावे हैं जिसे देखते हुए राजौरी पुंछ ने अनंतनाग संसदीय सीट के लिए अपने किसी भी प्रतिनिधि को नहीं चुना है।

सीईपीसी के अध्यक्ष ने श्रीनगर का दौरा किया, कारीगरों, निर्यातकों के साथ बातचीत की

श्रीनगर 23 अप्रैल। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय के तहत कालीन निर्यात संवर्धन परिषद और ऊन तथा ऊनी निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष डॉ. रोमेश खजूरिया ने श्रीनगर की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर के कालीन उद्योग से जुड़े निर्माताओं, निर्यातकों और कारीगरों के साथ एक संवाद बैठक बुलाई। डॉ. खजूरिया ने उस महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में स्थित श्रीनगर, हस्तशिल्प और विलासिता के सामानों के वैश्विक बाजार में निभाता है। उन्होंने कहा, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कुशल कारीगरों के लिए जाना जाने वाला श्रीनगर लंबे समय से उच्च गुणवत्ता वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, जिनकी दुनिया भर के उपभोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मांग है।

डॉ. खजूरिया ने उत्तरी कश्मीर के तंगमर्ग के वेलू कुंजर गांव के कारीगरों से बातचीत की, जिन्होंने दुनिया का सबसे बड़ा हाथ से बुना हुआ रेशम कालीन तैयार किया था।

डॉ. खजूरिया ने इस उत्कृष्ट कृति के निर्माण के पीछे समर्पित कारीगरों को बधाई दी, जिनमें मोहम्मद अशरफपर्रे, फिरदौस अहमद डार और मोहम्मद मकबूल पार्रे शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि यह उल्लेखनीय रचना दुनिया भर के खरीदारों को आकर्षित करेगी, इन कारीगरों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत का सम्मान और समर्थन करेगी।

उन्होंने श्रीनगर के ईदगाह में एम/एस कार्पेट क्रिएटिविटी ऑफ आर्ट का भी दौरा किया, जो नवीन रेशम पश्मीना कालीन तैयार कर रहे हैं।

डॉ. खजूरिया ने सभी हितधारकों से चुनौतियों से पार पाने, अवसरों का लाभ उठाने और हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को उत्.ष्टता और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हाथ मिलाने और सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम करने का आह्वान किया।

रेलयात्रियों को स्वच्छ रूप से तैयार पौष्टिक इकोनॉमी खाना उपलब्ध कराया जा रहा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। भारतीय रेल समाज के सभी वर्गों के लिए यातायात का एक बहुत बड़ा माध्यम है । रेलवे समस्तजनों की आकांक्षाओं को पूरा करने का भरसक प्रयास करती है । इस सम्बन्ध में रेल यात्रियों को कम मूल्य पर पौष्टिक और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है ।

रेलगाड़ियों के सामान्य डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सस्ता खाना, स्नैक्स/कॉम्बो मील और किफायती दर पर पैकेटबंद पेयजल की सेवा प्रदान करने के लिए प्लेटफॉर्म पर सामान्य श्रेणी के डिब्बों के लगने के निकट सस्ता खाना, स्नैक्स/कॉम्बो मील का प्रावधान किया गया है। 20 रुपए के मूल्य पर उपलब्ध कराये जाने वाले इकोनॉमी खानाके अन्तर्गत सात पूरियां (175 ग्राम), आलू की सूखी सब्जी (150 ग्राम) और अचार होता है । 50 रुपए मूल्य पर उपलब्ध कराये जाने वाले 350 ग्राम के स्नैक्स मील के अंतर्गत दक्षिण भारतीय चावल अथवा राजमा/छोले-चावल अथवा खिचड़ी अथवा कुलचे/भटूरे-छोले अथवा पाव भाजी अथवा मसाला डोसा होता है ।एक गिलास पीने का पानी(200 एमएल), 03 रुपए में प्रदान किया जा रहा है उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने बताया कि रेलयात्रियों को स्वच्छ रूप से तैयार किया गया पौष्टिक इकोनॉमी खाना उपलब्ध कराया जा रहा है । इकोनॉमी खाना की गुणवत्ता और स्वच्छता को बनाये रखने के लिए निगरानी भी की जा रही है । उत्तर रेलवे अपने सभी उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना पत्र सं.– 30 & 31-2024-25-ADEN-II-ASR दिनांक 22.04.2024

वरिष्ठ मण्डल अभियंता–तृतीय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–निविदाएं, अंतिम तिथि 14.05.2024 समय 15:00 बजे तक, www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ डी आर व रसीदो आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
22.04.2024	30.04.2024	14.05.2024/15:00 बजे

क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1.	30-2024-25-ADEN-II-ASR	सहायक मण्डल अभियंता –द्वितीय/अमृतसर के अधीन ढिलवां–अमृतसर खंड में लेवल क्रॉसिंग नं. 4 पर मानक ड्यूटी हट का प्रावधान और 10 स्थानों पर लेवल क्रॉसिंग और शौचालय की सुविधा।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	1,07,56,623.06/-	2,03,800.00/-	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य: कोई भी सिविल कार्य ट्रैक के अलावा।				
2.	31-2024-25-ADEN-II-ASR	सहायक मण्डल अभियंता –द्वितीय/अमृतसर के अधीन अमृतसर–खेमकर्ण खंड में लेवल क्रॉसिंग नं. 8 पर मानक ड्यूटी हट का प्रावधान और 15 स्थानों पर लेवल क्रॉसिंग और शौचालय की सुविधा।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	1,86,17,021.82/-	2,43,100/-	60 दिन	06 महीने	
	समान प्रकृति का कार्य: कोई भी सिविल कार्य ट्रैक के अलावा।				

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

1214/24

संपादकीय

डॉक्टरों को बीमारों को शिक्षित करना चाहिए

चिकित्सकों के लिए यह महत्वपूर्ण हो गया है कि वे उन लोगों को शिक्षित करें जो उनके पास चिकित्सीय परामर्श के लिए आते हैं क्योंकि सिद्धांतहीन संस्थाएं भ्रामक नामों और आशाजनक चीजों के साथ दवाओं को पेश करके निर्दोष लोगों को धोखा देने की फिराक में हैं जो अभी भी वैज्ञानिक दुनिया में संभव नहीं है।

भारत ऐतिहासिक रूप से नीम-हकीमों से त्रस्त था, जो लाइलाज बीमारियों का चिकित्सीय उपचार देकर लोगों को चकमा देते थे और बदले में बीमार लोगों से मोटी रकम वसूलते थे। समय बीतने के साथ, यह अनैतिक प्रथा अधिक आम हो गई है और अब कई कंपनियां और यहां तक कि बड़े ब्रांड भी जनता को धोखा देने के लिए इसी आधार पर काम कर रहे हैं।

इस संदर्भ में भारत के औषधि महानियंत्रक ने आयुष मंत्रालय को इंसुलिन नाम की होम्योपैथिक दवा बेचने वाली कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कथित तौर पर, इंसुलिन नामक होम्योपैथिक टैबलेट का मधुमेह को नियंत्रित करने वाले वास्तविक इंसुलिन से कोई लेना-देना नहीं है। डीजीसीआई ने ठीक ही कहा है कि मरीज़ इंसुलिन नामक होम्योपैथिक टैबलेट से भ्रमित हो सकते हैं और त्वचा के माध्यम से फैटी टिशू में इंजेक्ट किए जाने वाले वास्तविक इंसुलिन को रोक सकते हैं जिससे गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, किसी भी दवा को इंसुलिन कहना खतरनाक है, चाहे वह आधुनिक चिकित्सा प्रणाली से संबंधित हो या किसी अन्य प्रणाली से, क्योंकि इंसुलिन अग्न्याशय द्वारा निर्मित एक हार्मोन है। इस तरह के भ्रामक ब्रांड नाम के साथ, अनपढ़ लोग सोच सकते हैं कि इंसुलिन अब मौखिक रूप में आ गया है और वे इंजेक्शन के रूप में अपने इंसुलिन का उपयोग बंद कर सकते हैं और उपरोक्त गोलियाँ लेना शुरू कर सकते हैं, जो घातक भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में, जब कंपनियां अनैतिक तरीके से काम कर रही हैं, डॉक्टरों के लिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे अपने मरीजों को बाजार में चल रहे ऐसे कदाचार के बारे में शिक्षित करें ताकि कोई भी स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अनुचित लाभ कमाने के लिए कंपनियों की ऐसी चालों से धोखा न खा सके। यहां तक कि लोगों की जान भी दांव पर लग गई.

यह उल्लेख करना उचित है कि इंसुलिन मधुमेह के उपचार और प्रबंधन में उपयोग की जाने वाली दवा है जो कोरोनरी धमनी रोग, स्ट्रोक, परिधीय संवहनी रोग और कई अन्य संवहनी स्थितियों के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। कथित तौर पर, भारत में अनुमानित 101 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित पाए गए और 315 मिलियन लोग उच रक्तचाप का सामना कर रहे हैं।

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के अछे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे सभी फर्जी उत्पादों और दवाओं पर तुरंत प्रतिबंध लगाना समय की मांग है।

छत्तीसगढ़ के जंगलों में मौत के खौफ से नक्सली सरेंडर को मजबूर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जिंदगी की कीमत हर किसी के लिए इतनी अधिक है कि उसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती । नक्सली हो या अन्य आतंक के रास्ते पर चलनेवाले लोग, जो भले ही किसी की जान लेने में जरा भी देरी नहीं करते, लेकिन बात जब उनकी अपनी जान पर बन आए तो ये हर कीमत पर इसकी हिफाजत करने के लिए कुछ भी कर गुजरने हैं । पहले नक्सली संगठन भारत की कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सरकार से वार्ता करने के लिए तैयार होती है, वह भी सशर्त, फिर जब बात शर्त के साथ बातचीत की नहीं बनती और सरकार साफ चेता देती है कि आमजन, नेता और व्यापारियों को यदि नक्सलियों ने अपना निशाना बनाया तो उन्हें फिर इसका अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए, और फिर एक गलती जैसे नक्सलियों के लिए काल बनकर आ गई, देखते ही देखते जंगल से उनका सफाया शुरू हो गया, ऐसे में अब उनके पास जंगल से भागने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

वस्तुत- इन दिनों छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद पर सरकार सख्त है। लम्बे समय से चल रहे नक्सली घातों के बाद अब वक्त इस राज्य में सरकार बदलने के बाद प्रतिघात कर नक्सलवाद को समाप्त करने का है। यहां अभी भाजपा की सरकार बने बहुत दिन नहीं बीते हैं, लेकिन भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार हकीकत में अपने छत्तीसगढ़वासियों से जो नक्सलवाद के खात्मे का वादा कर सत्ता में आई, वह बहुत शिद्दत से उसे निभाती नजर आ रही है। यही कारण है कि नक्सली बैकफुट पर हैं और इनामी नक्सली तक राज्य से पलायन करने या सरकार के समक्ष सरेंडर को मजबूर हो उठे हैं।

अब आंध्र प्रदेश की ओर भाग रहे: ये कहानी उन छह बड़े इनामी नक्सलियों की है, जो हर हाल में जिंदा रहना चाहते हैं। इनकी ये जिंदा रहने की चाह इन्हें छत्तीसगढ़ से भागने को मजबूर करती है और ये आंध्र पुलिस के सामने सरेंडर करते हैं। सभी नक्सली सरेंडर करने के दौरान आंध्र प्रदेश की पुलिस के सामने गुहार लगा रहे थे, मैं नक्सली हूं, मुझे मेरी जिंदगी से प्यार है... इस जिंदगी में अभी बहुत कुछ देखना और करना है ... जिंदा रहना है साहब...। फिर सभी की समवेत आवाज आई, हम सभी नक्सली हैं, हमें गिरफ्तार कर जेल में डाल दो साहब...। कहने को ये ऊपर लिखा वाक्य किसी को भी पटकथा का कोई संवाद लग सकता है, लेकिन यह संवाद इन दिनों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राज्य सरकारों की नक्सली सोच पर कड़े प्रहार के बाद चहुंओर साफ घटता नजर आ रहा है ।

वास्तव में इस वक्त छत्तीसगढ़ की साय सरकार समेत मध्य प्रदेश की मोहन सरकार और महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने नक्सलियों की वह हालत कर दी है कि अब उनके पास चार ही विकल्प शेष बचे हैं। पहला- सरेंडर करें। दूसरा- राज्य से पलायन कर जाएं। तीसरा- पुलिस एवं अन्य सुरक्षा फोर्स से लड़ाई लड़ें या फिर नक्सलवाद का रास्ता छोड़ राज्य के विकास में अपना भरपूर योगदान देवें। अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं बीते हैं, लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली और उन्होंने बस्तर संभाग के कांकेर जिले के हिदूर और कलपर के बीच जंगलों में 29 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया। इनमें शीर्ष नक्सली कमांडर जैसे शंकर राव, ललिता, माधवी और राजू जैसे लाखों रुपये के इनामी नक्सली शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ में कुछ ही दिन में 90 से ज्यादा नक्सली मारे गए: छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बताते भी हैं कि लगभग सौ दिनों में 63 मुठभेड़ों में 54 नक्सलियों के शव, 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सल संबंधी कुल 26 प्रकरणों को एनआईए को सौंपा गया है। विगत 4 माह में 24 अग्रिम सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई है। निकट भविष्य में 29 नए आधार शिविरों की स्थापना प्रस्तावित है। यह एक तथ्य है कि पिछले तीन महीने में बस्तर के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने अब तक 90 से अधिक नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बीते चार माह के दौरान सुरक्षाबलों ने अकेले बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ घेराबंदी को मजबूत करते हुए 24 नई छावनियां स्थापित की हैं।

मध्य प्रदेश में भी मारे जा रहे हैं:

इससे कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में नकद इनामी दो नक्सली मारे गए । जिनकी पहचान सजंती उर्फ क्रांति और रघु उर्फ शेर सिंह के रूप में हुई । इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा, '29 लाख रुपए के इनामी डिविजनल कमांडर को मारा जाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। दूसरा, 14 लाख के इनामी नक्सली को मारना मध्य प्रदेश पुलिस की सजगता को बताता है। हम नक्सलाइट मूवमेंट को कभी भी पनपने नहीं देंगे। तीन महीने पहले सरकार बनने के तीसरे दिन भी बड़ा एनकाउंटर हुआ था, अब जब तक नक्सलियों का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता, इस प्रकार की कार्रवाइयां होती रहेंगी।' ऐसी ही एक बड़ी कार्रवाई महाराष्ट्र में नक्सल विरोधी अभियान के तहत घटी। यहां के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने चार नक्सली को मार गिराया। इन चारों नक्सलियों पर सरकार ने 36 लाख रुपये के इनाम रखा था। महाराष्ट्र पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक बड़ा नक्सल ग्रुप लोकसभा चुनावों में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए गढ़चिरौली के जंगलों में छिपा है, जिसके बाद एक्शन में आई महाराष्ट्र पुलिस ने ये बड़ी कार्रवाई की।

महाराष्ट्र में अर्बन नक्सलियों पर नकेल: महाराष्ट्र नक्सल ऑपरेशन को लेकर पुलिस अधिकारी आईपीएस संदीप पाटिल ने बताया भी कि महाराष्ट्र के नागपुर, पुणे, नासिक, मुंबई,थाने,नासिक और गोंदिया जैसे शहरों में नक्सली घुसपैठ हुई है। माओवादियों से जुड़े अर्बन नक्सली स्लम इलाकों में युवाओं का ब्रेन वास कर उन्हें शासन, प्रशासन के खिलाफ लडाई लड़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों पुलिस ने ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के गोपनीय दस्तावेज जब्त किए थे। इससे साफ पता चला है कि नक्सली शहरी भागों में खास तौर पर स्लम इलाकों में सक्रिय हैं। ये गरीब युवक जो किसी न किसी वजह से सरकार या सरकारी मशीनरी से नाराज हैं, उन्हें अपना हथियार बना रहे हैं । यह वाकई में चिंताजनक है, लेकिन पुलिस प्रशासन मुस्तैद है, किसी भी नक्सली को नहीं छोड़ा जा रहा है । पुलिस ने अब शहरी क्षेत्रों में सक्रिय नक्सल समर्थकों पर निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस तरह देखा जाए तो इन तीनों ही राज्यों में इन दिनों नक्सली खात्मे का अभियान बड़े स्तर पर जारी है। संयोग देखिए कि तीनों ही जगह ही भारतीय जनता पार्टी की या मिली जुली सरकार है । फिर इन तीनों राज्य सरकारों का मनोबल इसलिए भी बढ़ा हुआ नजर आता है क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार की नीति भी पूरी तरह देश से नक्सलवाद को समाप्त कर देने की है। गृहमंत्री अमित शाह कह भी रहे हैं, 'केंद्र में यदि तीसरी बार मोदी जी की सरकार आई तो दो साल के अंदर नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। नक्सलियों को हम कहना चाहते हैं कि आप सरेंडर कर दीजिए अब भी वक्त है, यदि अब भी नक्सलियों ने सरेंडर नहीं किया तो चिंता ना करें आने वाले दो साल में छत्तीसगढ़ समेत देश में जहां भी लाल आतंक है, वहां की धरती को पूरी तरह से इससे मुक्त कर दिया जाएगा।'

ऐसे में अब नक्सलियों के पास जिंदा रहने के लिए आत्मसमर्पण करने के अलावा अन्य कोई ओर मार्ग शेष नहीं बचा है। इसका असर अब बड़े स्तर पर कुछ इस तरह से दिखता भी है कि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय छह बड़े इनामी नक्सलियों ने बस्तर से निकलकर आंध्र पुलिस के सामने सरेंडर करना पड़ता है । जिसमें कि एरिया कमेटी के सचिव राजू समेत इनामी नक्सली शामिल हैं। नक्सलियों की पहचान खुरम मिथिलेश उर्फ राजू, बरसे मासा, वेट्टी भीमा, वंजम रामे उर्फ कमला, मडकाम सुक्की और दूडी सोनी के रूप में हुई है। इन नक्सलियों पर 19 लाख रुपये का इनाम छत्तीसगढ़ पुलिस ने रखा था। नक्सलियों ने आज बताया भी कि कैसे छत्तीसगढ़ सरकार की सख्त कार्रवाई में बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में चल रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन से नक्सली बैकफुट पर गए हैं। जवानों के आक्रामक मूवमेंट से नक्सलियों में दहशत का माहौल है।

नक्सल विरोधी कार्रवाई पर हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

डॉ. रमेश ठाकुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफा फिर कांग्रेस ने प्रमाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षाबलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी। यह तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है।

बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग है कि इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं।

आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षाबलों के जवानों की जान गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्म्ड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्चस्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा है। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे।

सन 2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन ग्रीन हंट शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए। इस अभियान में भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन ब्लूस्टार के बाद सुरक्षाबलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन-तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है। फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है।नक्सल वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्ययोजना' शुरू की थी, जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बनाया। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया।

वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखड़ गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षाबलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए।केंद्र सरकार ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था। उनके लिए केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। इनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किलोमीटर सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुईं। इन परियोजनाओं में 250 किलेबंद पुलिस स्टेशन स्थापित करने का काम शुरू भी हुआ। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क आवश्यकता योजना को केंद्र सरकार ने आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में लागू किया है। इस योजना में 5,362 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो भी चुका है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने अगस्त 2014 में इन क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना को भी मंजूरी दी। अब तक 4885 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। दूसरे चरण में 2,542 मोबाइल टावर और लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे को 2017 में 5 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिए और अब इसमें बढ़ोतरी करके 40 लाख रुपये कर दिए हैं। नक्सली फिर भी बाज नहीं आ रहे। तभी हारकर अब उनके खिलाफ पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन शुरू हुआ है। ताकि इनपर अंतिम प्रहार किया जाए। कांकेर मुठभेड़ उसी का हिस्सा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

परिणाम तय है इसलिए मतदाता उदासीन

सुरेन्द्र चतुर्वेदी

अठारहवीं लोकसभा के पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान हो गया। सभी 102 सीटों में से ज्यादातर में मतदान के प्रतिशत में कमी आई है। इससे यह माना जा रहा है कि मतदाताओं में चुनाव के प्रति वह उत्साह और उमंग नहीं था, जिसकी उम्मीद राजनीतिक दल विशेष रूप से भाजपा लगाए बैठी थी । तो क्या भाजपा को इससे निराश होने की जरूरत है ? या कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को इसमें से किसी अप्रत्याशित परिणाम की उम्मीद रखनी चाहिए ? दोनों ही प्रश्नों का एक ही जवाब है, नहीं।

यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी को मोदी सरकार के कामकाज पर मतदाताओं की ओर से जोरदार समर्थन की उम्मीद थी और विपक्षी दलों को लगता था कि जनता महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सड़क पर आ जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसका एक ही मतलब है कि मतदाता ने परिवर्तन करने से ही इनकार कर दिया। हां, अब बहस सिर्फ इस बात पर हो सकती है कि भाजपा गठबंधन 400 सीटों से पार जा पाएगा या नहीं ?

जहां तक मतदाताओं में उल्लास या वोटिंग प्रतिशत गिरने का सवाल है, तो कोई भी निष्कर्ष निकालते समय हमें इस तथ्य को भी देखना होगा कि क्या किसी एक ही दल का मतदाता निष्क्रिय था ? या सभी मतदाताओं को पहले से ही चुनाव परिणामों का अंदेशा है, इसलिए चुनाव में उसका उत्साह नदारद था। टेलीविजन पर होने वाली बहस को छोड़ दें तो गांव-चौपाल में भी मतदान और प्रत्याशी को लेकर कोई उत्सुकता नजर नहीं आई ।

तो भारत जैसे देश में जहां चुनाव को उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है, वहां मतदाता की उदासीनता का कारण क्या हो सकता है ? यह याद रखे जाने की जरूरत है कि 2014 का चुनाव परिवर्तन के नारे के साथ लड़ा गया था। भारत की जनता मनमोहन सरकार की अक्षमता के खिलाफ अपना मन बना चुकी थी, और अबकी बार मोदी सरकार व अच्छे दिन के नारे पर उसने मतदान किया था। 2019 का चुनाव भी पाकिस्तान को सबक सिखाने की मोदी सरकार की क्षमता पर हुआ। यह ऐसा चुनाव था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पीछे छूट गए थे और मतदाताओं ने मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए एकतरफा मतदान किया। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। मतदाताओं में उस उत्साह की कमी साफ दिख रही है, जो पहले के दो चुनाव में देखी गई।

तो क्या यह मान लिया जाना चाहिए कि देश के मतदाता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा नहीं रहा या वह कथित इंडी अलांयस के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकल्प के रूप में देख रहा है? बहुतांश लोगों को यह प्रश्न विचित्र लग सकता है लेकिन इस प्रश्न का जवाब ही भारत के जनमानस की वास्तविक अभिव्यक्ति है।

दरअसल, आएगा तो मोदी ही, यह नारा भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं के मन में गहरे पैठ गया है। तो भाजपा कार्यकर्ता अपनी जीत देख निश्चिंत होकर चुनाव को आराम से लड़ रहे हैं, तो विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को यह लगता है कि जब भाजपा ही जीत रही है और जनमानस भाजपा के साथ है तो चुनाव में आक्रामक होने का क्या फायदा ?

ऐसा भी नहीं है कि भाजपा समर्थक हिन्दू मतदाता ही मतदान करने नहीं निकला, भाजपा को वोट नहीं देने वाले मुस्लिम समाज में भी वोट देने के प्रति उदासीनता देखी गई है। मुस्लिम बहुल बूथों पर जहां रात के दस-दस बजे तक मतदान करने के लिए लाइनें लगी रहती थीं, इस बार ऐसे समाचार सुनने में नहीं आए। इस तथ्य पर भी विचार करना ही चाहिए कि बीते सालों में यह पहली बार है जब मतदान केन्द्रों पर तनातनी या लड़ाई-झगड़े के समाचार भी सुनने को नहीं मिले हैं। ऐसा तभी होता है जब पक्ष और विपक्ष चुनाव परिणाम के बारे में आश्वस्त होते हैं। हां, केवल पश्चिम बंगाल ही एक मात्र राज्य है जहां से ऐसे समाचार आए, तो वहां का मतदान प्रतिशत भी अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा ही रहा।

इस बार के चुनाव से एक बात सिद्ध हो रही है कि न तो विश्व में भारत की रैंकिंग, विकास की गति, जीडीपी दर, आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के संकल्प को मतदाता देख रहा है और न ही महंगाई और बेरोजगारी के विपक्षी एजेंडे को मतदाता ने स्वीकार किया है। भारत में विकास कभी चुनाव का मुद्दा नहीं रहा। भारत के चुनाव को सिर्फ जातीय सामंजस्य और राष्ट्रवाद ही दिशा देता है।

(लेखक, सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट से संबद्ध हैं।)

रोहित के बाद संजू सैमसन को भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में तैयार किया जाना चाहिए : हरभजन सिंह

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) पर 9 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि आरआर कप्तान को भारत के कप्तान के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। रोहित शर्मा के बाद अगले टी20 कप्तान. सैमसन ने 28 गेंदों में 135.71 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 38 रन की पारी खेली। उन्होंने 8वें ओवर में क्रीज पर आते ही 2 चौके और 2 छक्के लगाए. हरभजन ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एमआई के खिलाफ यशस्वी जयसवाल की नाबाद 104 रन की पारी की सराहना की और कहा कि यह युवा इस बात का सबूत है कि ÷क्लास स्थायी है। पूर्व स्पिनर ने कहा कि मेन इन ब्लू टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज को लेकर कोई और बहस नहीं होनी चाहिए और सैमसन को भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम में शामिल किया जाना चाहिए। ÷यशस्वी जयसवाल की पारी इस बात का प्रमाण है कि क्लास स्थायी है, फॉर्म अस्थायी है @ybj_19। और कीपर बल्लेबाज के बारे में कोई बहस नहीं होनी चाहिए। @IamSanjuSamson को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में आना चाहिए और अगले टी20 कप्तान के रूप में भी तैयार होना चाहिए रोहित के बाद भारत के लिए,' हरभजन ने एक्स पर लिखा।

आईएसएल 2023-24 के सेमीफाइनल 1 के पहले चरण में भिड़ेंगे ओडिशा एफसी और मोहन बागान एसजी

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी और मोहन बागान सुपर जाइंट मंगलवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 के सेमीफाइनल मुकाबले के पहले चरण में भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भिड़ेंगे। ओडिशा एफसी मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाफ अपने नौ आईएसएल मुकाबलों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। इस अवधि में उन्होंने पांच मैच ड्रॉ खेले हैं और चार हारे हैं। इस सीज़न में आईएसएल में उनके दोनों मैच ड्रा रहे, और केवल एफसी गोवा (10) के खिलाफ ओडिशा एफसी ने लीग में जीत दर्ज किए बिना अधिक मैच खेले हैं। इसके साथ ही, सर्जियो लोबेरा क्लब के प्रभारी के रूप में अपने पहले सीज़न में कलिंगा स्टेडियम में एक गढ़ बनाने में कामयाब रहे। वे मौजूदा अभियान में घर पर अपने 12 मैचों में अजेय हैं, और बेंगलुरु एफसी एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने घरेलू मैदान पर बिना हारे लगातार अधिक मैच खेले हैं (जनवरी 2018 से नवंबर 2019 तक 19 मैच)। हालाँकि, ओडिशा एफसी ने इस सीज़न की शुरुआत में एएफसी कप मैच में मोहन बागान सुपर जाइंट को 5-2 से हराया था, जिससे पता चलता है कि उनके पास 90 मिनट में शक्तिशाली मेरिनर्स से बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है। लोबेरा दूसरे चरण के लिए कोलकाता में हाई-ऑक्टेन एक्शन शिफ्ट होने से पहले अपनी टीम को कम से कम गोल का फायदा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगा।

2024 टी20 विश्व कप के लिए एंकर बल्लेबाजों के महत्व पर वार्नर

नई दिल्ली। दौरान प्रस्तावित फ्लैट डेक ने एंकर बल्लेबाज की भूमिका को कुछ हद तक अप्रासंगिक बना दिया होगा, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का कहना है कि ऐसे खिलाड़ी कैरेबियन में विश्व टी20 के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जहां धीमी गति से खेलने वाले सभी खिलाड़ियों की परीक्षा होगी। बल्लेबाज़. भारत के विराट कोहली और केएल राहुल पुराने स्कूल दृष्टिकोण वाले ऐसे खिलाड़ी हैं, जहां वे अभी भी कड़ी मेहनत करने से पहले एक पारी बनाते हैं, लेकिन ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन, जोस बटलर और जेक-फ्रेजर मैकगर्क जैसे खिलाड़ी अपनी शुरुआत में अजेय रहे हैं। -तबाही ख़त्म करो. यह पूछे जाने पर कि क्या आईपीएल में बल्लेबाजी पैटर्न को विश्व टी20 में दोहराया जा सकता है, वार्नर ने नकारात्मक जवाब दिया उन्होंने कहा, वे (वेस्टइंडीज की पिचें) धीमी हो सकती हैं और उनमें थोड़ा टर्न भी होगा। मुझे नहीं लगता कि वे उतने सघन होंगे जितने वे यहां हैं। आप जानते हैं, मैंने वहां बहुत क्रिकेट खेला है। मैं सीपीएल में खेल चुका हूं। विकेट थोड़े निचले और धीमे हो जाते हैं, वार्नर ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा।

मोहम्मद रिजवान की तुलना सर डॉन ब्रैडमैन से, शाहीन अफरीदी हुए जमकर ट्रोल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के विकेट कीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने हाल ही में T20I क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था, इस मामले में उन्होंने विराट कोहली और बाबर आजम जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ा था। रिजवान की इस उपलब्धि के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने का तांता लग गया था। इस बीच टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भी उन्हें बधाई दी। हालांकि रिजवान को बधाई देना अफरीदी को भारी पड़ गया क्योंकि उन्होंने रिजवान की तुलना सर डॉन ब्रैडमैन से कर दी थी।

चीन ने अंडर-23 एशियन कप के अंतिम ग्रुप मैच में यूएई को हराया

एजेंसी

दोहा। चीन ने यहां अंडर-23 एशियाई कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 2-1 से हरा दिया और एक जीत और दो हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

जापान और दक्षिण कोरिया से हारने के बाद पहले ही ग्रुप से आगे बढ़ने का मौका खो चुके चीन के मुख्य कोच चेंग याओदोंग ने पिछले मैच से अपने शुरुआती लाइनअप में केवल एक बदलाव किया, जिसमें ली हाओ ने हुआंग जिहाओ की जगह ली। चीन के लिए टूर्नामेंट का पहला गोल ज़ी वेनेंग ने 24वें मिनट में किया जब उन्होंने कॉर्नर के बाद बॉक्स के अंदर गेंद को अपने बेहतरीन शॉट से गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। चीन का दूसरा गोल यूएई के

डिफेंडरों की गलती के कारण हुआ, लियू झुरुन ने यूएई के डिफेंडरों की गलती का फायदा उठाते हुए गेंद अपने कब्जे में किया और गोल पोस्ट में डालकर हाफटाइम से ठीक पहले चीन की बढ़त 2-0 कर दी।

यूएई ने दूसरे हाफ में अहमद फावजी के माध्यम से गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि टीम इसके बाद बराबरी का गोल नहीं कर सकी और चीन ने मैच 2-1 से जीत लिया। ग्रुप बी के अन्य मैच में दक्षिण कोरिया ने जापान को 1-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि जापान भी दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर गया।

शेष आठ योग्य टीमें 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए तीन सीधे टिकटों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि चौथे स्थान पर रहने वाली टीम अंतिम ओलंपिक स्थान के लिए प्ले-ऑफ में गिनी से भिड़ेगी।

सुनील नरेन ने वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप टीम में वापसी की संभावना को किया खारिज, कहा-वह दरवाजा अब बंद हो गया

एजेंसी

नई दिल्ली। सुनील नरेन ने कैरेबियाई और संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजबानी में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में वापसी से खुद को बाहर कर लिया है और जोर देकर कहा है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी का दरवाजा अब बंद हो गया है। 35 वर्षीय नरेन चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शानदार फॉर्म हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 56 गेंदों में नाबाद 109 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी, जो उनका पहला टी20 शतक है। वह केकेआर के संयुक्त अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं, जिन्होंने अपनी ऑफस्पिन के साथ 7.10 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट लिए हैं। हालाँकि, नरेन ने नवंबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, 2019 के बाद से वेस्टइंडीज के लिए नहीं खेले। नरेन ने सोमवार देर रात इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से वापस आने और आगामी टी20 विश्व कप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है। मैंने उस फैसले पर शांति बना ली है और हालांकि मैं कभी निराश नहीं होना चाहता, वह दरवाजा अब बंद हो गया है और मैं उन लोगों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे। वे लोग जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और हमारे अद्भुत प्रशंसकों को यह दिखाने के लायक हैं कि वे एक और खिताब जीतने में सक्षम हैं - मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

इंटर मिलान ने जीता अपना 20वां सीरी ए खिताब

एजेंसी

रोम। इंटर मिलान ने एसी मिलान को 2-1 से हराकर अपना 20वां सीरी ए खिताब जीता। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर 14 अंकों की आरामदायक बढ़त और केवल छह राउंड शेष होने के साथ, इंटर मिलान अपनी 2021 चैंपियनशिप की सफलता को दोहराने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरा।

सैन सिरो में खेले गए इस मैच में इंटर ने लुटारो मार्टिनेज और मार्कस थुरम के साथ एक मजबूत लाइनअप को मैदान में उतारा, जबकि एसी मिलान ने एकमात्र स्ट्राइकर के रूप में राफेल लीओ को स्थान देते हुए, ओलिवर गिरौद को बेंच पर रखने का विकल्प चुना।

मैच के 18वें मिनट में फेडरिको डिमार्को के कॉर्नर को बेंजामिन पावर्ड ने चतुराई से गेंद को फ्रांसेस्को एसरबी की ओर फ्लिक किया, जिन्होंने इसे हेड के जरिये गोल पोस्ट में डालकर इंटर मिलान का खाता खोल दिया। मिलान ने हॉफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बरकार रखी। हॉफ टाइम के बाद मैच शुरु

होने के चौथे मिनट में ही मार्कस थुरम ने गोल कर इंटर मिलान की बढ़त 2-0 कर दी।

इसके बाद एसी मिलान ने हमले को मजबूत करने के लिए गिरौद और नोआ ओकाफोर को मैदान में उतारा और उनके प्रयास 80वें मिनट में सफल हो गए, जब माटेओ गैबिया का हेडर पोस्ट से टकरा गया, लेकिन फिकायो तोमोरी ने इसे नेट में डाल दिया और स्कोर 2-1 हो गया। अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुए और इंटर मिलान ने खिताब अपने नाम कर लिया।

चौथे स्थान के लिए सीरी ए के एक अन्य महत्वपूर्ण मैच में बोलोग्ना ने घर से दूर रोमा पर 3-1 से जीत हासिल की।

अबू धाबी में दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा आयरलैंड

एजेंसी

नई दिल्ली। आयरलैंड इस साल के अंत में अबू धाबी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक 'घरेलू' सफेद गेंद श्रृंखला का आयोजन करेगा, इसके बाद जुलाई में अपने इतिहास में दूसरी बार घरेलू पुरुष टेस्ट मैच की भी मेजबानी करेगा, जब उनकी टीम स्टॉर्मोन्ट में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी। क्रिकेट आयरलैंड ने पुरुष और महिला टीमों के लिए अपने घरेलू कार्यक्रम की घोषणा की है, हालांकि सभी मैच घर पर नहीं होंगे। आयरलैंड ने 2017 में पूर्ण सदस्य का दर्जा प्राप्त किया और 2018 में डबलिन के पास मालाहाइड में अपना पहला पुरुष टेस्ट मैच खेला, लेकिन उनके पास एक स्थायी घरेलू स्टेडियम नहीं है और अस्थायी बुनियादी ढांचे की उच्च लागत का मतलब है कि उनके बाद के छह टेस्ट मैच विदेश में हुए हैं। जिसमें इस साल की

शुरुआत में अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी पहली जीत भी शामिल है।इस गर्मी में वे 25-29 जुलाई तक स्टॉर्मोन्ट, बेलफ़ास्ट के सिविल सर्विस मैदान में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को शुरू में जुलाई में तीन एकदिवसीय और तीन टी20 के लिए आयरलैंड का दौरा करना था, लेकिन इसके बजाय वे सितंबर के अंत से अबू धाबी में तीन एकदिवसीय और दो टी20 खेलेंगे।

भारत के अनुभवी खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वैश से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वैश से संन्यास की घोषणा की है। अपने 22 साल के कैरियर के दौरान घोषाल ने 10 प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) खिताब और राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूजी) और एशियाई खेलों में कई पदक जीते। 37 वर्षीय खिलाड़ी विश्व स्क्वैश रैंकिंग में शीर्ष 10 में भी रह चुके हैं। वह अप्रैल 2019 में शीर्ष 10 में पहुंचे और छह महीने तक वहां रहे।

घोषाल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने 22 साल पहले पीएसए वर्ल्ड टूर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वैश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की, हमारे अद्भुत खेल के कुछ सबसे बड़े मंचों पर खेलते हुए, मैंने सोचा कि इसका कभी अंत नहीं होगा। लेकिन, हमेशा एक अंतिम बिंदु होता है। यह संदेश लिखते समय मैं भावनाओं से अभिभूत हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है। इसलिए, गर्व से भरे दिल और दुख की लहर के साथ, मैं पीएसए से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, इन पिछले 2 दशकों ने मुझे एक व्यक्ति के रूप में आकार दिया है और मुझे मिले अवसरों के लिए मैं सदैव आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि मैंने खुद को गरिमा के साथ संचालित किया है और खेल को %सही तरीके से% खेला है। मैं अपने दादा-दादी, अपने पिता, अपनी पत्नी और अपने प्यारे परिवार के बाकी सदस्यों के बिना इतनी दूर तक नहीं पहुंच पाता। मुझे वह व्यक्ति बनाने के लिए धन्यवाद जो मैं हूं। मैल्कम विलस्ट्रॉप के विशेषज्ञ मार्गदर्शन के बिना मैं आधा पेशेवर खिलाड़ी भी नहीं होता।

सौरव ने 2003 में पीएसए में पदार्पण किया था। उन्होंने 10 पीएसए खिताब हासिल किए हैं और उस स्तर पर 18 फाइनल में पहुंचे हैं। पीएसए टूर में उन्होंने अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। पीएसए वर्ल्ड टूर स्क्वैश खिलाड़ियों के लिए एक पेशेवर सर्किट है, जो टेनिस में एटीपी और डब्ल्यूटीए और बैडमिंटन में बीडब्ल्यूएफ के समान है।

घोषाल की अंतिम पीएसए खिताब जीत नवंबर 2021 में मलेशियाई ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप थी, जहां उन्होंने कोलंबिया के मिगुएल रोड्रिगेज को हराया था। उनकी अंतिम पीएसए टूर उपस्थिति 2024 विंडी सिटी ओपन में थी जहां वह 64 के राउंड में यूएसए के टिमोथी ब्राउनेल से हार गए थे। घोषाल ने 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 संस्करणों में नौ एशियाई खेलों में पदक हासिल किए, जिसमें हांग्जो 2022 और इंचियोन 2014 स्पर्धाओं में एक टीम स्वर्ण भी शामिल है। उनके पास तीन सीडब्ल्यूजी पदक भी हैं, जिसमें 2022 में बर्मिंघम में दीपिका पल्लीकल के साथ मिश्रित युगल में रजत पदक भी शामिल है। वह उसी स्पर्धा में एकल प्रतियोगिता में सीडब्ल्यूजी स्क्वैश पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी बने। उन्होंने 2022 ग्लासगो प्रतियोगिता में मिश्रित स्पर्धा में हमवतन दीपिका पल्लीकल कार्तिक के साथ साझेदारी करके विश्व युगल चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक भी जीता है।

घोषाल का घरेलू सर्किट पर भी शानदार करियर रहा है और उन्होंने 13 राष्ट्रीय खिताब अपने नाम करने का रिकॉर्ड बनाया है।

आरआर के खिलाफ एमआई की नौ विकेट की हार के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा, 'हमारी खामियों को स्वीकार करना होगा'

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से नौ विकेट से हार के बाद मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि उन्हें अपनी खामियों को स्वीकार करना होगा और आने वाले दिनों में उन पर काम करना होगा। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में बोलते हुए, पंड्या ने कहा कि उनकी टीम को आईपीएल के मौजूदा सीज़न में की गई गलतियों से सीखना होगा और उन्हें सुधारना होगा। हम जो कर सकते हैं वह इस खेल से सीख सकते हैं और जो गलतियाँ हमने की हैं, उन्हें सुधारें और सुनिश्चित करें कि हम ऐसा न करें। प्रगति बहुत महत्वपूर्ण है। टीम के भीतर, व्यक्तिगत रूप से, हमें अपनी खामियों को स्वीकार करना होगा और शायद उन पर काम करें। मैं चिप और चॉप में ज्यादा विश्वास नहीं करता, मैं खिलाड़ियों का समर्थन करना पसंद करता हूं और हमारा ध्यान हमेशा अच्छा क्रिकेट खेलने, अपनी योजनाओं पर कायम रहने और यह सुनिश्चित करने पर होगा कि हम बुनियादी गलतियां न करें यह सरल

है, जब तक हम इसे सरल रखते हैं, यह अच्छा है,'पंड्या ने कहा। कप्तान ने यह भी स्वीकार किया कि आरआर के खिलाफ खेल के दौरान वे क्षेत्ररक्षण में अच्छे नहीं थे। मुझे नहीं लगता कि यह मैदान में भी हमारा सबसे अच्छा दिन था। कुल मिलाकर, हमने पार्क में दाहिना पैर नहीं रखा और अंततः, उन्होंने हमें मात दे दी। खेल के बाद, खिलाड़ियों के पास जाने का यह सही समय नहीं है , हर कोई पेशेवर है, वे अपनी भूमिका जानते हैं,' उन्होंने कहा।

मोहन बागान सुपर जायंट के विजयी रथ को रोकने उतरेगी ओडिशा एफसी

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट आज शाम यहां कलिंगा स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में पहले सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में भिड़ेंगे।

मोहन बागान ने अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए आईएसएल 2023-24 लीग विनर्स बनकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। दूसरी ओर, ओडिशा एफसी ने प्लेऑफ में केरला ब्लास्टर्स एफसी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ये दोनों टीमें इस सीजन के दौरान आईएसएल और एएफसी कप में कई बार आमने-सामने हो चुकी हैं। ओडिशा को पिछले मैच में येलो आर्मी के खिलाफ घर पर जीत से आत्मविश्वास मिला होगा और इस बार भी उन्हें सकारात्मक परिणाम की उम्मीद होगी। इसी तरह, पिछले हफ्ते साल्ट लेक स्टेडियम में निर्णायक बने अंतिम लीग मुकाबले में मुम्बई

सिटी एफसी पर जीत से मोहन बागान सुपर जायंट आत्मविश्वास से भरपूर होंगे। वे ओडिशा एफसी से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

सीजन के एक बड़े हिस्से के दौरान, ओडिशा एफसी तालिका में शीर्ष दो स्थानों की दौड़ में थी। हालांकि, वो कुछ खराब नतीजों के कारण 39 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर रही। इसके विपरीत, मैरिनर्स ने अपने अंतिम पांच मैचों में से चार जीतकर आइलैंडर्स को पीछे छोड़ दिया। ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷उनके पास बहुत अच्छी टीम है। हमारी टीम भी बहुत अच्छी है और हम कलिंगा में अपराजित हैं। हम उस लय को घरेलू मैदान पर भी जारी रखना चाहते हैं और हमने उन्हें खिलाफ पिछले चार मैचों में बहुत कड़ी टक्कर दी है। मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच एंटोनियो लोपेज हबास ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷इस मैच में खेलने के लिए पूरी टीम उपलब्ध है। पिछले कुछ मैचों में सभी खिलाड़ियों का उपलब्ध रहना बहुत मुश्किल है, आमतौर पर लंबे समय तक यह संभव नहीं होता है।

कोहली ने किया आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन, लगा मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा ÷रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज विराट कोहली पर ईडन गार्डन्स, कोलकाता में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 36वें मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। बयान में आगे कहा गया, कोहली ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। उन्होंने अपराध

स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की मंजूरी स्वीकार कर ली। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। दरअसल मैच के दौरान हर्षित राणा की ऊंची फुलटॉस गेंद कोहली के बल्ले पर लगकर वापस राणा के हाथों में चली गई, अंपायर ने यह जांचने के लिए तीसरे अंपायर के पास गए कि गेंद कमर के ऊपर तो नहीं थी, तीसरे अंपायर ने गेंद को वैध करार दिया और कोहली आउट हो गए, जबकि कोहली को लग रहा था कि गेंद नो बॉल है और इसी को लेकर उन्होंने अंपायरों से बहस कर ली थी। कोहली ने मैच में सात गेंदों पर 18 रन बनाए थे। यह मैच आरसीबी की टीम 1 रन से हार गई थी।

काउंटी चैंपियनशिप 2024 के लिए डरहम टीम में स्कॉट बोलैंड की जगह पीटर सिडल को किया गया शामिल

डरहम। साथी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के पैर की चोट के कारण बाहर होने के बाद डरहम ने अगले छह काउंटी चैम्पियनशिप मैचों के लिए पीटर सिडल के साथ अनुबंध किया है। बोलैंड ने मूल रूप से जुलाई के अंत तक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें डरहम के टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी शामिल होगी। हालाँकि, उनके पैर की चोट के कारण उन्हें हैम्पशायर के खिलाफ अपने पहले डिवीजन वन मैच के लिए बहुत देर से पहुंचना पड़ा, जिसमें सभी चार दिन बारिश की भेंट चढ़ गए और वारविकशायर के खिलाफ 13 ओवरों में कोई विकेट नहीं मिलने से स्थिति और खराब हो गई।इसलिए बोलैंड वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ आखिरी मैच से चूक गए।

यशस्वी जयसवाल ने राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई

एजेंसी

जयपुर। यशस्वी जयसवाल : सनसनीखेज शतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2024 के मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से हरा दिया। 180 रनों का पीछा करते हुए, आरआर कभी भी परेशानी में नहीं दिखे क्योंकि जयसवाल को जोस बटलर और संजू सैमसन ने शानदार मदद की। इससे पहले, संदीप शर्मा ने आईपीएल में अपना पहला पांच विकेट लेकर एमआई को 20 ओवरों में 179/9 पर रोक दिया। एमआई के लिए तिलक वर्मा 65 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि नेहल वढेरा ने 49 रन बनाए। पीओटीएम के संदीप ने कहा, परसों ही फिट हुआ हूं। फिटनेस के बाद पहला गेम, अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिच धीमी और निचली तरफ थी, इसलिए मेरी योजना गेंदबाजी में विविधता और कटर रखने की थी। यदि आप अंत में गेंदबाजी कर रहे हैं, तो आपको बड़ा दिल रखना होगा। आईपीएल में देखा है, गेंदबाज दबाव में हैं। बड़ा दिल रखने और योजनाओं को क्रियान्वित करते रहने की जरूरत है. जैसा कि आप जानते हैं, मैं

दो साल पहले बिना बिके रह गया था। प्रतिस्थापन के रूप में आये। इसलिए मैं हर खेल का आनंद ले रहा हूं।

सैमसन, आरआर कप्तानः ने कहा, श्रेय सभी खिलाड़ियों को जाना चाहिए। पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की. बीच में बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने अविश्वसनीय खेल दिखाया। लेकिन जिस तरह से हमने वापसी की उससे हमने गेम जीत लिया। विकेट थोड़ा सूखा लग रहा था. लेकिन जब रोशनी आती है, रात में ठंड बढ़ती है, तो दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना बेहतर हो जाता है। लोग इस बात को लेकर काफी पेशेवर हैं कि ब्रेक मिलने पर क्या करना है। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी (जायसवाल) से सलाह की जरूरत है। वह बहुत आश्वस्त है. एक खेल के बारे में था. आइए देखें कि वहां (लखनऊ) विकेट कैसा है और देखते हैं कि यह कैसा रहता है।

यशस्वी जयसवालः बहुत-बहुत धन्यवाद, मैंने शुरू से ही आनंद लिया और मैंने सुनिश्चित किया कि मैं गेंद को ठीक से देख रहा हूं और उचित क्रिकेट शॉट्स खेल रहा हूं। मैं वह करने की कोशिश कर रहा हूं जो मैं अच्छा कर रहा हूं, कुछ दिन यह अच्छा होता है और कुछ दिन नहीं, मैं ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपने सभी वरिष्ठों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिस तरह से उन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया। मैं राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और विशेष रूप से सांगा सर और संजू भाई को मुझे अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं बाहर जाता हूं और अभ्यास सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ देता हूं और आज मैं बहुत खुश हूं।

रैलिस इंडिया को चौथी तिमाही में 21 करोड़ रु. का घाटा

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा एंटरप्राइजेज की बीज और कृषि रसायन इकाई रैलिस इंडिया लि को निर्यात बाजार की चुनौतियों तथा इन्वेंट्री नुकसान से 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 21 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। कंपनी को तीसरी तिमाही में 24 करोड़ रुपये का और मार्च,2023 की तिमाही में 69 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के निदेशक मंडल ने तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को आडिट समिति की समीक्षा के बाद सोमवार को मंजूरी दी।

स्वर्ण आभूषण-निर्यात 2023-24 में 62 प्रतिशत बढ़कर 6.79 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 में सादे स्वर्ण आभूषणों का निर्यात 62 प्रतिशत बढ़कर 6.79 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष में इसका निर्यात 4.19 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जेजेईपीसी) ने आज यह जानकारी देते हुए कहा, 'पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर 2023 के बीच कुल सोने के आभूषण (सादे और जड़े हुए आभूषण) में 10.47 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी लेकिन दूसरी छमाही में निर्यात में तेजी लौट आयी और इसमें 46.91 प्रतिशत की वृद्धि हुई।'

एयरटेल का किफ़ायती इंटरनेशनल रोमिंग पैक

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर भारती एयरटेल ने विदेश यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए आज किफ़ायती अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक पेश किए। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नए पैक में 184 देशों तक पहुंच शामिल है और इनका टैरिफ 133 रुपये प्रतिदिन से शुरू होता है, जो इन्हें विदेशों में मिलने वाले लोकल सिम की तुलना में भी काफी किफ़ायती विकल्प प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, इन पैक के साथ बेहतर डेटा बेनिफिट्स, उड़ान के दौरान इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी और कॉन्टैक्ट सेंटर सपोर्ट उपलब्ध होता है।

सेल्सफोर्स इंडिया इनोवेशन हैकेथॉन की श्रृंखला 'रिबूट द अर्थ' लेकर आया

हैदराबाद । सीआरएम सॉल्यूशंस कंपनी सेल्सफोर्स ने इस पृथ्वी दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र की पाँच एजेंसियों- संयुक्त राष्ट्र सचिवालय, संयुक्त राष्ट्र युवा कार्यालय, खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी कार्यालय, संयुक्त राष्ट्र और डिजिटल जन सामग्री गठबंधन के सहयोग से जलवायु पर केंद्रित इनोवेशन हैकेथॉन की श्रृंखला 'रिबूट द अर्थ' पेश की है। हैदराबाद में आयोजित इस हैकेथॉन का उद्देश्य युवा कंप्यूटर प्रोग्रामर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स, आर्किटेक्ट्स, सेल्सफोर्स के परिवेश से परिचित लोगों, वैज्ञानिकों एवं अन्य इच्छुक लोगों को साथ लाना है ताकि जलवायु के मौजूदा संकट से निपटने के लिए समाधानों का विकास हो सके।

लर्नएक्स की मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 203 डीपीएस स्कूलों के साथ साझेदारी

फरीदाबाद। लर्नएक्स ने 203 दिल्ली पब्लिक स्कूलों (डीपीएस) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है जिसके तहत लर्नएक्स डीपीएस स्कूलों में टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ के लगभग 15,225 सदस्यों को मानसिक सेहत व स्वास्थ्य पर विस्तृत और संरचनाबद्ध प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे एक शैक्षणिक वर्ष में लगभग पांच लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। इस साझेदारी की घोषणा डीपीएस फरीदाबाद और डीपीएस बैंगलोर नॉर्थ में लर्नएक्स प्रोग्राम पूरा कर चुके एजुकेटरों के एक सम्मान समारोह में की गई। इस अवसर पर डीपीएस सोसायटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ के सीईओ डॉ. डेनियल फंग, अनिल कुमार, प्रिंसिपल, डीपीएस फरीदाबाद के प्रिंसिपल अनिल कुमार, चंद्रकांत सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर लर्नएक्स के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत सिंह भी मौजूद थे।

कचा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कचे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 88 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सप्ताह के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड

क्रूड 0.24 डॉलर यानी 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ 87.24 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.29 डॉलर यानी 0.35 फीसदी उछलकर 82.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

नैनो यूरिया प्लस का उत्पादन इस हफ्ते शुरू करेगी इफको, एक मई से वाणियिक बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख सहकारी संस्था इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) इस हफ्ते 'नैनो यूरिया प्लस' उर्वरक का उत्पादन की शुरुआत करेगी। इसकी वाणियिक बिक्री एक मई से शुरु होने वाली है। नैनो यूरिया प्लस नैनो यूरिया का एक नया संस्करण है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पिछले हफ्ते इसे तीन साल के लिए अधिसूचित किया था।

इफको के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. यूएस अवस्थी ने 'एक्स' पोस्ट पर नैनो यूरिया प्लस बोतल का पहला लुक जारी किया। इस अवसर पर अवस्थी ने कहा कि इफको नैनो यूरिया प्लस बोतल का पहला लुक जारी करते हुए खुशी हो रही है। अवस्थी ने नैनो

यूरिया प्लस (लिक्विड) की जानकारी देते हुए कहा कि यह 20 फीसदी नाइट्रोजन 2/1 उच सांद्रता के बराबर 16 फीसदी नाइट्रोजन 2/2 के साथ नैनो यूरिया का एक उन्नत फॉर्मूलेशन है।

उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण के अनुकूल है और महत्वपूर्ण विकास चरणों में फसल की नाइट्रोजन आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाता है। अवस्थी ने बताया कि बेहतर मृदा स्वास्थ्य और किसानों की लाभप्रदता के लिए पारंपरिक यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के स्थान पर इसका उपयोग किया जाता है। यह सूक्ष्म पोषक तत्वों की दक्षता और उपलब्धता को बढ़ाता है। गौरतलब है कि नैनो यूरिया प्लस की कीमत में कोई इजाफा नहीं किया गया है। यह किसानों को 225 रुपये में 500 मिली. की बोतल में उपलब्ध होगा।

रिलायंस जियो का मुनाफा चौथी तिमाही में 13 फीसदी बढ़कर 5,337 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश और निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में रिलायंस जियो का मुनाफा सालाना आधार पर 13 फसदी बढ़कर 5,337 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में यह 4,716 करोड़ रुपये रहा था।रिलायंस जियो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त 2023-24 की जनवरी-मार्च

तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 13.16 फीसदी बढ़कर 5,337 करोड़ रुपये रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन आय चौथी तिमाही में 11 फीसदी बढ़कर 25,959 करोड़ रुपये रही है। कंपनी के मुताबिक पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस जियो का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 12.4 फीसदी बढ़कर 20,466 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस जियो की आय सालभर पहले की तुलना में 10.2 फीसदी बढ़कर 1,00,119 करोड़ रुपये हो गई है।

हांगकांग ने भी एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला उत्पादों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर के बाद हांगकांग की सरकार ने भी भारत के मशहूर मसाला ब्रांड्स एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के चार उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इन दोनों कंपनियों की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हांगकांग विशेष

प्रशासनिक क्षेत्र सरकार के खाद्य सुरक्षा केंद्र ने जारी बयान में कहा है कि जांच में इन दोनों मसालों में कीटनाशक पाया गया है, जो सेहत के लिए खतरनाक है। इसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद हांगकांग की सरकार ने इन मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। बयान में कहा गया है कि एमडीएच समूह के मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में जांच में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी थी। इससे पहले सिंगापुर ने पिछले हफ्ते एवरेस्ट के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की थी, जिसमें एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक होने का आरोप लगाया गया था। इससे पहले 2023 में अमेरिकी फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने साल्मोनेला की मौजूदगी के चलते एवरेस्ट के उत्पादों को हटाने का आदेश दिया था।

सीसीआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर करेगा विस्तृत अध्ययन, संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली।भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव का एक विस्तृत बाजार अध्ययन के लिए संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

सीसीआई ने जारी बयान में कहा कि कृत्रिम मेधा और प्रतिस्पर्धा पर उसके प्रभाव पर विस्तृत बाजार अध्ययन करने के लिए एक एजेंसी की नियुक्ति करेगा। इसके लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) जारी करके 3 जून तक प्रस्ताव मांगे गए हैं। व्यापार निगरानी संस्था के मुताबिक तकनीकी प्रस्तुतियों के बाद वित्तीय बोली की अंतिम तिथि 28 जून तय की गई है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने कहा कि एआई की परिवर्तनकारी क्षमताओं में आपूर्ति व मांग बढ़ाने की क्षमता है। इसके इस्तेमाल से

उत्पन्न होने वाले संभावित प्रतिस्पर्धा जोखिम चिंता का विषय हैं। 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं प्रतिस्पर्धा' पर प्रस्तावित बाजार अध्ययन ऐसे समय में किया जा रहा है, जब उद्योगों में एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने बाजारों में प्रतिस्पर्धी गतिशीलता के लिए इसके निहितार्थ को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं।

अपरेंटिस के 301 पदों पर भर्ती के लिए शुरू होने को है आवेदन प्रक्रिया

नई दिल्ली। नेवल डॉकयार्ड प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए विभिन्न ट्रेडों में अपरेंटिस के पदों पर भर्ती के लिए मंगलवार (23 अप्रैल) से आवेदन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। निर्धारित योग्यता रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार इन पदों के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://indiannavy.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस अभियान का लक्ष्य कुल 301 पदों को भरना है। इलेक्ट्रीशियन, फीटर, मशीनिस्ट, मैकेनिक, पेंटर, कारपेंटर, प्लंबर, वर्कर, वेल्डर आदि पदों पर भर्ती की जाएगी। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण विंडो 23 अप्रैल को सक्रिय होगी और आवेदन प्रक्रिया 10 मई तक चलेगी।

जनरल उम्मीदवारों के लिए 187, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 57, अनुसूचित जनजाति के लिए 30 और अनुसूचित जाति के लिए 27 रिक्तियां निर्धारित हैं। आवेदकों को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) के साथ 10वीं पास होना चाहिए। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष होनी चाहिए।

एयर इंडिया के 'आसमान की रानी' बोइंग 747 ने आखिरी उड़ान भरी

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन ने अपने दिग्गज 747 बोइंग विमान को रिटायर कर दिया है। एयरलाइंस के आखिरी बोइंग 747 विमान ने सोमवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी। इसे कभी आसमान की रानी भी कहा जाता था। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि आज हम मुंबई से प्रस्थान करने वाली अपनी आखिरी आसमान की रानी, बी747 को अलविदा कहते हैं। शानदार उड़ानों के युग के लिए धन्यवाद। हम आपकी प्रतिष्ठित उपस्थिति को याद करेंगे। एयर इंडिया ने मुंबई हवाई अड्डे से विमान के प्रस्थान की तस्वीरें भी साझा की हैं। उल्लेखनीय है कि आसमान की रानी कहा जाने वाला यह विमान एक समय में मालवाहक

के उड़ान संचालन का मुख्य आधार था। इसका उपयोग लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए किया जाता था। एयर इंडिया के स्वामित्व में बदलाव के बाद से एयरलाइन में कई बड़े बदलाव हुए हैं। प्रबंधन से लेकर इसके स्वरूप और ब्रांडिंग तक। महाराजा को अलविदा कहने के बाद एयर इंडिया ने नए युग का नया रूप धारण किया है।

ये हैं शारीरिक मानक

ऊंचाई 150 सेमी, वजन 45 किलोग्राम से कम नहीं होना चाहिए। छाती का विस्तार 5 सेमी से कम नहीं होना चाहिए। आंखों की रोशनी 6/6 से 6/9 (चश्मे से 6/9 सही) और सभी बाहरी और आंतरिक अंग सामान्य होने चाहिए।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार, बिटकॉइन 66 हजार डॉलर के करीब पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। बिटकॉइन और एथेरियम समेत मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 6 आज बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 3 क्रिप्टो करेंसीज रेड जोन में बनी हुई हैं। वहीं, एक क्रिप्टो करेंसी की कीमत में पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज की तेजी के कारण बिटकॉइन एक बार फिर 66 हजार डॉलर के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 65,950.62 डॉलर यानी 54.99 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,207.91 डॉलर के स्तर पर आ गई थी।

बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.02 प्रतिशत,

बीएनबी 3.78 प्रतिशत, सोलाना 1.01 प्रतिशत और एक्सआरपी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, डोजेकॉइन 1.84 प्रतिशत, टॉनकॉइन 1.71 प्रतिशत और कार्डानो 1.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। इसके अलावा यूएसडी कॉइन के भाव में पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल ये क्रिप्टो करेंसी 1 डॉलर के भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.02 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.43 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 202.61 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में तेजी आने के साथ पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 6,592 करोड़ डॉलर यानी 5.50 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 7.25 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें तो कीमत में तेजी आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति भी 0.07 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 53.54 प्रतिशत हो गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, कमजोरी के बावजूद चेन्नई में सोना 75 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि इस गिरावट के बावजूद देश के यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 74 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर कारोबार कर रहा है, वहीं चेन्नई में इसकी कीमत आज भी 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी कमजोरी के बावजूद 68 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। सोने की तरह चांदी भी आज मामूली कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। इस कमजोरी के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 86,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 74,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,2300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 74,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 74,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 74,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,280 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य रायों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों रायों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 74,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

'टीएचडीसीआईएल, उत्तराखंड का उप्र के बुलंदशहर जिले में सितंबर तक कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना चालू करने का लक्ष्य'

एजेंसी

ऋषिकेश। उत्तराखंड के विद्युत क्षेत्र के अग्रणी उपक्रम, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने सितंबर- 2024 तक उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में अपने कोयला आधारित बिजली संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य रखा है। इस बाबत कंपनी के निदेशक (पर्सनल) ने बताया कि इस लक्ष्य के साथ ही कंपनी घरेलू ताप विद्युत क्षेत्र में उतर जाएगी। निदेशक (पर्सनल) शैलेंद्र ने बताया कि टीएचडीसीआईएल उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में 1,320 मेगावाट 2ङ्क660 मेगावाट की अत्याधुनिक तापीय बिजली परियोजना एसटीपीपी स्थापित कर रही है। परियोजना की समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर निदेशक ने बताया कि इसका काम पूरे जोरों पर चल रहा है। हमें 660 मेगावाट की पहली इकाई इस साल सितंबर तक और दूसरी इकाई मार्च 2025 तक चालू होने का अनुमान है। यह लगभग 12,000 करोड़ रुपये की परियोजना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उत्तराखंड स्थित इकाई की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 1,587 मेगावाट है, जिसमें से 1,424 मेगावाट जलविद्युत, 113 मेगावाट पवन और 50 मेगावाट सौर है। कंपनी के निदेशक (पर्सनल) ने बताया कि जनवरी-2024 तक बुलंदशहर जिले के खुर्जा में इस अत्याधुनिक तापीय बिजली संयंत्र के एसटीपीपी पर 9,428.30 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि कंपनी खुर्जा एसटीपीपी में पर्यावरण-अनुकूल कार्बन कैप्चर तकनीक लागू करने की प्रक्रिया में है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी। परियोजना का विवरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परियोजना की आधारशिला 09 मार्च, 2019 को रखी थी। यह परियोजना 1,200.843 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। उन्होंने बताया कि यह एक एकीकृत कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है, जो मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित अमेलिया कोयला खदान से जुड़ा है। परियोजना पूरी होने पर संयंत्र 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पीएलएफ के अनुरूप सालाना 926.4 करोड़ यूनिट बिजली पैदा करेगा।

ताइवान में 5.0 तीव्रता का भूकंपः सीईएनसी

एजेंसी

बीजिंग। चीन के ताइवान के हुलिएन काउंटी के समुद्री क्षेत्र में मंगलवार सुबह 9:45 बजे (बीजिंग समयानुसार) 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) ने यह जानकारी प्रदान की। सीईएनसी की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि भूकंप का केंद्र 23.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 121.58 डिग्री पूर्वी देशांतर पर देखा गया और यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में आया। इस भुकंप में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

चीन के गुआंग्डोंग में जहाज के पुल से टकराने के बाद चार लापता

गुआंग्डोंग। दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत के फ़ोशान शहर में सोमवार रात एक जहाज के पुल से टकराने के बाद चार लोग लापता हो गए। यह जानकारी शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने दी। जहाज पर

चालक दल के 11 सदस्य थे, जो जिउजियांग ब्रिज के एक घाट से टकरा गया और बाद में डूब गया। विभाग के अनुसार, उनमें से सात लोगों को बचा लिया गया जबकि चार लापता हैं।

मंगलवार सुबह 6:00 बजे तक, लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए 300 से यादा पुलिस अधिकारी और समुद्री बचाव दल भेजे जा चुके हैं। दुर्घटना के कारण की जांच चल रही है। विशेषज्ञों ने पुल का प्रारंभिक मूल्यांकन किया और पाया कि मुख्य संरचना को कोई स्पष्ट नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि, पुल के घाट पर खरोंच थे, पुल की सुरक्षा के लिए मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। फिलहाल आसपास के जलक्षेत्रों में यातायात नियंत्रण लागू कर दिया गया है।

गाजा में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हुई

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हो गयी है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना की पिछले 24 घंटों के दौरान की गयी कार्रवाई में 54 फिलिस्तीनियों मारे गए और 104 अन्य को घायल हो गए। इससे इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,151 हो गई और 77,084 लोग घायल हो गए। बयान में कहा गया कि भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे में दबे रहे। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के लिए इज़रायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और 200 से अधिक को बंधक बना लिया गया।

अमेरिका के एरिजोना में भीषण सड़क हादसे से दो भारतीय छात्रों की मौत

संयुक्त राज्य। संयुक्त राज्य अमेरिका में एरिजोना में लेक प्लेजेंट के पास आमने-सामने की टक्कर में दो भारतीय छात्रों की तत्काल मृत्यु हो गई। यह जानकारी पुलिस ने अनाउंसमेंट कर दी. मृतकों की पहचान 19 वर्षीय नियुश मोका और 19 वर्षीय गौतम पारसी बताई गई है। दोनों छात्र भारत से आये थे. आप संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र के रूप में नामांकित हैं। पियोरिया पुलिस के अनुसार, दो वाहनों की टक्कर स्टेट रूट 74 के उत्तर में कैसल हॉट स्प्रिंग्स रोड पर शाम लगभग 6:18 बजे हुई। 20 अप्रैल को। पुलिस के एक बयान में कहा गया, हम जांच कर रहे हैं कि वाहन की टक्कर कैसे हुई। उन्होंने कहाः इस दुर्घटना में दोनों कारों के ड्राइवर घायल हो गए और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन दोनों की तुरंत मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, पीड़ित 19 वर्षीय निवेश मोखा और 19 वर्षीय गौतम पालशी हैं।

किम जोंग ने कृत्रिम परमाणु जवाबी हमला अभ्यास का निरीक्षण किया

एजेंसी

प्योंगयांग। डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने एक कृत्रिम परमाणु जवाबी हमला अभ्यास का निरीक्षण किया। कोरियाई सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, सुपर-लार्ज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चरों ने भारी गोलीबारी की तथा कृत्रिम परमाणु हथियारों से युक्त प्रोजेक्टाइल ने 352 किमी की सीमा के अंदर द्वीप के लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा।

रिपोर्ट में कहा गया कि यह अभ्यास विशेष रूप से डीपीआरके के परमाणु बल की विश्वसनीयता, श्रेष्ठता, शक्ति और विविध साधनों का प्रदर्शन करने और गुणवत्ता एवं मात्रा दोनों में परमाणु बल को मजबूत करने के लिए किया गया था। उत्तरी कोरियाई नेता ने प्रतिरोधक और युद्ध लड़ने की रणनीति में देश के परमाणु बल की महत्वपूर्ण भूमिका को लगातार बढ़ाने और परमाणु बल की नियमित युद्ध तत्परता को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति एवं संचालन की आवश्यकता पर बल दिया है।

किम जोंग उन ने युद्धाभ्यास की सराहना करते हुए इसे देश के परमाणु बल को पूरी तरह से तैयार करने में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में प्रशंसा की, जिससे देश किसी भी समय और किसी भी अकस्मात स्थिति में युद्ध रोकने और युद्ध में पहल करने के अपने महत्वपूर्ण अभियान को तेजी से और सही तरीके से पूरा करने में सक्षम बन सके।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 35 रॉकेट दागे

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल की ओर लगभग 35 रॉकेट दागे, जबकि इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले किए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रॉकेटों के कारण उत्तरी इज़राइल के सफेद शहर और अन्य समुदायों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे,

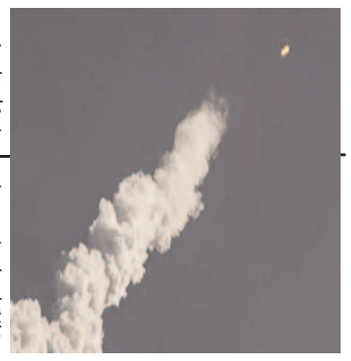

लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि इजरायली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में रॉकेट लॉन्चरों और हिजबुल्लाह बुनियादी ढांचे पर हमला किया। बयान के मुताबिक, इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरज़ौन और ओडाइसेह गांवों में दो संरचनाओं पर हमला किया था, जहां हिजबुल्लाह लड़ाके मौजूद थे। गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के एक दिन बाद 8 अक्टूबर, 2023 से इज़राइल और हिजबुल्लाह के बीच चल रही सीमा पार लड़ाई में यह हिंसा नवीनतम थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के मोरहाउस कॉलेज संबोधन कार्यक्रम का विरोध

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की मोरहाउस कॉलेज में संबोधन कार्यक्रम को कुछ संकाय सदस्य विरोध कर रहे हैं। एनबीसी न्यूज ने बताया कि कॉलेज के प्रशासन को संबंधित संकाय सदस्यों से योजना के बारे में जानकारी मिली, जैसा कि संकाय को भेजे गए ईमेल में कहा गया है। कॉलेज इस मामले पर चर्चा के लिए 25 अप्रैल को एक वर्चुअल बैठक आयोजित करेगा। रिपोर्ट में एक संकाय सदस्य के हवाले से बताया गया कि प्रशासक चिंतित हैं कि श्री बाइडेन के भाषण का विरोध करने में विद्यार्थियों के साथ शामिल हो जाएंगे। फिर भी, प्रशासन श्री बाइडेन

को स्वीकृत निमंत्रण को रद्द नहीं करेंगे।यह कार्यक्रम अमेरिका के कॉलेज परिसरों में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के साथ-साथ फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बीच हो रही है।

पाकिस्तान, ईरान ने आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और ईरान ने सैद्धांतिक रूप से अपने-अपने देशों में आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय पाकिस्तानी आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के साथ उनके ईरानी समकक्ष अहमद वाहिदी और ईरान के न्याय मंत्री अमीन-होसैन रहीमी के बीच एक बैठक में लिया गया। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष आपसी समर्थन में सुधार लाने और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना पर सहमत हुए। बयान में कहा गया कि इस संबंध में जल्द से जल्द एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष एक-दूसरे के देश में कैद अपने नागरिकों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने पर भी सहमत हुए। बयान के अनुसार, दोनों देशों ने सीमा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया जिसमें तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कदम उठाना शामिल है। दोनों ईरानी मंत्री, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के नेतृत्व वाले एक उच्च स्तरीय

प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जो 22 से 24 अप्रैल तक पाकिस्तान की यात्रा पर है।

कश्मीर पर ईरानी राष्ट्रपति की चुप्पी कूटनीतिक संकट का संकेत

एजेंसी

इस्लामाबाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने इस्लामाबाद दौरे के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की. हालाँकि, संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कश्मीर पर इब्राहिम रायसी का समर्थन हासिल करने की पाकिस्तानी पीएम की कोशिश विफल रही। ईरान के राष्ट्रपति का इस विषय पर शामिल होने से इंकार करना ईरान के नाजुक संतुलन कार्य को दर्शाता है क्योंकि देश भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बना रहा है। राजनयिक और व्यापारिक संबंधों के अलावा फिलिस्तीन पर भारत और ईरान के बीच हालिया बातचीत से यह बात रेखांकित होती है।

ईरान के राष्ट्रपति रायसी तीन दिवसीय यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचे। अपने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान, शहबाज शरीफ ने गाजा की स्थिति पर ईरान के रुख को कश्मीर की स्थिति से जोड़ने की मांग की। उन्होंने राष्ट्रपति रईसी को धन्यवाद देते हुए कहा,'मैं कश्मीर के लिए आवाज उठाने के लिए आपको

और ईरान के लोगों को धन्यवाद देता हूं.' हालाँकि, रायसी ने टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया और अपने भाषण के दौरान इसे सामने लाने से परहेज किया, इसके बजाय उन्होंने विशेष रूप से फिलिस्तीन में उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने वालों के लिए ईरान के समर्थन पर ध्यान केंद्रित किया। उनकी चुप्पी श्री शरीफ के लिए अपमानजनक थी, जो भारत-पाकिस्तान विवाद पर ईरान का समर्थन हासिल करने में विफल रहे।

पिछले साल, भारतीय दूतावास ने बताया था कि ईरान और भारत सार्थक संबंधों का एक लंबा इतिहास साझा करते हैं। तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा दिए गए एक प्रेस बयान में कहा गया हैः भारत और ईरान सहस्राब्दी लंबे संबंधों का इतिहास साझा करते हैं। समकालीन और संबंध इन ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की ताकत पर आधारित हैं, और उच्च स्तर पर आगे बढ़ते रहते हैं। स्तरीय आदान-प्रदान, वाणिज्यिक और कनेक्टिविटी सहयोग, सांस्कृतिक और मजबूत लोगों से लोगों के संबंध।÷ नोट में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और उच्च स्तरीय यात्राओं का भी विवरण दिया गया है। जनवरी में, ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने तेहरान में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की मेजबानी की। उनकी चर्चाओं में फिलिस्तीन में हिंसा के साथ-साथ ब्रिक्स देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा हुई। चूंकि ईरान के भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ द्विपक्षीय संबंध हैं, इसलिए कश्मीर पर तटस्थ रुख बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान की राजकीय यात्रा ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक-दूसरे की भूमि पर कथित आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ जवाबी हमले करने के महीनों बाद हो रही है। यह दोनों देशों द्वारा अपने टूटे हुए संबंधों को सुधारने के लिए एक सक्रिय प्रयास का प्रतीक है। देश में 8 फरवरी को विवादास्पद आम चुनाव होने के बाद राष्ट्रपति रायसी पाकिस्तान का दौरा करने वाले पहले विदेशी नेता हैं।

मलेशिया के दो सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 की मौत

एजेंसी

कुआलालंपुर। देश की नौसेना ने कहा कि मंगलवार सुबह पेराक राज्य में दो मलेशियाई सैन्य हेलीकॉप्टरों की हवा में टक्कर के बाद दस लोगों की मौत हो गई। रॉयल मलेशियाई नौसेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि यह

घटना लुमुट रॉयल मलेशियाई नौसेना बेस पर स्थानीय समयानुसार सुबह 9.32 बजे फ्लाईपास्ट रिहर्सल के दौरान हुई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक हेलीकॉप्टर में सात कर्मी सवार थे जबकि दूसरे में तीन लोग सवार थे। इसमें कहा गया, %%सभी पीड़ितों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और उन्हें पहचान के लिए लुमुट बेस अस्पताल भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि जनता से पीड़ितों के वीडियो और तस्वीरें नहीं फैलाने का आग्रह किया गया है।

इजरायली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

मॉस्को।इजरायली सेना के खुफिया प्रमुख अहरोन हलीवा ने इस्तीफा दे दिया, इस इस्तीफे को इजरायल की सेना स्वीकार करते हुए अहरोन हलीवा को धन्यावाद दिया है. सेना ने कहा कि सैन्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख ने हमास हमलों की वजह से हलीवा ने इस्तीफा दिया है. इजरायल के इतिहास में सबसे घातक हमले में अपनी भूमिका से इस्तीफा देने वाले अहरोन हलीवा पहले वरिष्ठ व्यक्ति बन गए.

मेजर जनरल अहरोन हलीवा के इस्तीफे के बाद माना जा रहा है अब उन सभी अधिकारियों को पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा, जो हमास हमले को रोकने में फेल साबित हुए. क्योंकि बगैर किसी चुनौती के हमास के आंतकवादी घंटों तक इजरायल में तोड़फोड़ करते रहे और 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया. साथ ही 250 लोगों को बंधक बना लिया. फिलहाल, उस हमले के बाद इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की जो अब सातवें महीने में है.

विफलाताओं की वजह से दिया इस्तीफा

इस्तीफा देने वाले अधिकारी ने अपने इस्तीफे में लिखा, 'जो जिम्मेदारी हमें सौंपी गई थी, उसमें मेरी कमान खरा नहीं उतर पायी. मैं

तब से उस काले दिन को याद रखता हूं, दिन के बाद दिन, रात के बाद रात. मैं इस दर्द को हमेशा अपने साथ रखूंगा. युद्ध के कुछ ही समय बाद ही हलीवा ने सार्वजनिक रूप से अपने को इस हमले का जिम्मेदार माना था. उन्होंने कहा कि सरकार और सेना को जो खुफिया चेतावनियां और दैनिक अलर्ट की जिम्मेदार उनपर थी, वह नहीं निभा सके.

दुश्मनों के बीच में फंसा है इजरायल

हमास हमले के बाद हलीवा और अन्य सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों से उम्मीद की गई थी कि वे अपनी विफलताओं के जवाब में इस्तीफा देंगे, लेकिन ऐसा सात महीनों तक नहीं हुआ. क्योंकि इजरायल अभी भी गाजा में हमास से लड़ रहा है और उत्तर में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह से लड़ रहा है. दोनों दुश्मनों के बीच हमलों के बाद ईरान के साथ भी तनाव चरम पर है.

नेतन्याहू ने नहीं ली जिम्मेदारी

एक तरफ हलीवा और कई अन्य ने हमले को रोकने में विफल रहने के लिए दोष स्वीकार कर लिया है, वहीं कुछ लोगों ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है. विशेष रूप से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी भूमिका के बारे में कठिन सवालों का जवाब देने के लिए कहा है, लेकिन हमले को लेकर उन्होंने सीधे तौर पर जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की है. उन्होंने यह भी संकेत नहीं दिया है कि वह पद छोड़ देंगे.

उनके वकील का कहना है कि ट्रम्प ने पोर्न स्टार को 'परिवार, प्रतिष्ठा की रक्षा' के लिए भुगतान किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अभियोजकों ने नए विवरणों का खुलासा करते हुए डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ गुप्त रूप से मुकदमा शुरू किया कि कैसे वे यह साबित करना चाहते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति ने एक सेक्स स्कैंडल को खत्म करने के लिए 2016 के चुनाव में भ्रष्टाचार किया था, जबकि एक बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि भुगतान केवल उनकी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए था।

निचले मैनहट्टन में किसी पूर्व राष्ट्रपति के पहले मुकदमे में 34 गुंडागर्दी के मामले शामिल हैं, जिसमें आरोप लगाया गया है कि ट्रम्प ने यौन संपर्क के अपने दावों को दबाने के लिए पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को 130,000 डॉलर के भुगतान को छुपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की। अभियोजकों का कहना है कि उसने अपने पूर्व वकील, माइकल कोहेन, जिन्होंने डेनियल्स को कानूनी फीस के लिए भुगतान किया था, की प्रतिपूर्ति का दावा करके रिकॉर्ड में हेराफेरी की।

अभियोजक मैथ्यू कोलेंजेलो ने अपने शुरुआती बयान में ट्रम्प, कोहेन और डेविड पेकर से जुड़ी एक आपराधिक साजिश का खुलासा किया, जो नेशनल इंक्वायरर के स्वामित्व वाली कंपनी चलाते थे और

आप रिकॉर्ड की गई बातचीत में प्रतिवादी की अपनी आवाज़ सुनेंगे। उनका लक्ष्य चुनाव से पहले हानिकारक जानकारी छिपाना और टेड क्रूज़ और बेन कार्सन जैसे ट्रम्प के विरोधियों को अपमानजनक कहानियों से बर्बाद करना था।

पूर्व राष्ट्रपति के बारे में नकारात्मक खबरों को खरीदने और दफनाने के लिए सहमत हुए थे। उन्होंने कहा, साजिश मई 2015 में ट्रम्प टॉवर में एक बैठक में शुरू हुई।

उन्होंने कहा, सबूतों से पता चलेगा कि यह स्पिन या रणनीति नहीं थी, बल्कि डोनाल्ड ट्रंप को निर्वाचित होने में मदद करने के लिए चुनाव को प्रभावित करने की योजना थी। यह चुनावी धोखाधड़ी थी, शुद्ध और सरल। यह मुकदमा तब चल रहा है जब 77 वर्षीय ट्रम्प राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ दोबारा मुकाबला करके व्हाइट हाउस लौटना चाहते हैं। यह संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार पर लटके चार मुकदमों में से एक है, जो इस मामले को चुनाव में हस्तक्षेप और डेमोक्रेट द्वारा जादू-टोना का मामला कहता है।

ट्रम्प के वकील टॉड ब्लैंच ने घटनाओं पर एक अलग राय रखी।

ब्लैंच ने कहा, स्पॉयलर अलर्ट- चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में कुछ भी गलत नहीं है। इसे लोकतंत्र कहते हैं।

ट्रम्प की प्रतिष्ठा

उन्होंने अभियोजन पक्ष और उनके गवाहों पर हमला किया। ब्लैंच ने कहा कि डेनियल्स ने 2006 में ट्रम्प के साथ यौन संबंध बनाने के अपने अकाउंट को सार्वजनिक करने की धमकी दी थी, जो लगभग उनसे जबरन वसूली करने का एक प्रयास था। उन्होंने कहा, डीए का मुख्य गवाह कोहेन, ट्रम्प के प्रति जुनूनी है और उन्हें दोषी ठहराने के लिए झूठ बोलेगा।

बचाव पक्ष के वकील ने कहा, यह भयावह था, यह राष्ट्रपति ट्रम्प को शर्मिंदा करने का एक प्रयास था। उन्होंने कहा, ट्रंप ने अपने परिवार, अपनी प्रतिष्ठा और अपने ब्रांड की रक्षा के लिए डेनियल्स की चुप्पी मोल ले ली। ब्लैंच ने कहा कि उनका लार्जर देन लाइफ ग्राहक अत्यधिक अभियोजकों का शिकार है, जिन्होंने डेनियल और कोहेन पर विश्वास किया, जो पूर्व ट्रम्प फिक्सर थे, जो झूठी गवाही और अन्य अपराधों के लिए जेल गए थे।

मुकदमे की मूल घटनाएं 2018 से ज्ञात हैं, और विशेष रूप से मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग द्वारा पिछले साल ट्रम्प को दोषी ठहराए जाने के बाद से। लेकिन कोलेंजेलो ने खुलासा किया कि सबूतों में कोहेन और पेकर के अंदरूनी खाते, ईमेल, टेक्स्ट संदेश और पुनर्भुगतान पर चर्चा करते हुए ट्रम्प की रिकॉर्डिंग शामिल हैं, उन्होंने कहा।

पोर्न स्टार भुगतान

कोलेंजेलो ने कहा, वे पोर्न स्टार भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति नहीं कह सकते थे इसलिए उन्हें किताबें तैयार करनी पड़ीं।

कोलेंजेलो ने कहा कि जूरी सदस्य ट्रम्प को कोहेन के साथ टेप पर सौदे की शर्तों पर काम करते हुए सुनेंगे।

आप रिकॉर्ड की गई बातचीत में प्रतिवादी की अपनी आवाज़ सुनेंगे। उनका लक्ष्य चुनाव से पहले हानिकारक जानकारी छिपाना और टेड क्रूज़ और बेन कार्सन जैसे ट्रम्प के विरोधियों को अपमानजनक कहानियों से बर्बाद करना था। इन्क्वायरर हानिकारक कहानियों को पकड़ेगा और मार डालेगा, या उन्हें प्रकाशित करने के इरादे के बिना अप्रिय लेख खरीदेगा।

पेकर को अभियोजन पक्ष के पहले गवाह के रूप में संक्षिप्त रूप से बुलाया गया था, उनकी भूमिका के बारे में कुछ बुनियादी जानकारी दी गई थी, और वह मंगलवार को वापस आएंगे। उन्होंने कहा कि एन्क्वायरर में कौन सी कहानियाँ प्रकाशित हुईं और कौन सी नहीं चल पाईं, इस पर अंतिम फैसला उनका ही था।

उन्होंने कहा, हमने चेकबुक पत्रकारिता का इस्तेमाल किया और कहानी के लिए भुगतान किया।

2023 में हीटवेव से प्रभावित एशियाई देशों में भारतः संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

एजेंसी

जिनेवा (स्विट्जरलैंड)/ बैंकॉक (थाईलैंड)। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि एशिया 2023 में मौसम, जलवायु और पानी के खतरों से दुनिया के सबसे अधिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों में से एक था, बाढ़ और तूफान के साथ। हताहतों का मुख्य कारण. बैंकॉक में विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ और तूफान के कारण एशिया में सबसे ज्यादा मौतें और आर्थिक नुकसान हुआ है, जबकि लू का प्रभाव और अधिक गंभीर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में, एशिया में रिपोर्ट किए गए 80 प्रतिशत से अधिक जल-मौसम संबंधी खतरे बाढ़ और तूफान की घटनाएं थीं। क्लाइमेट -इन-एशिया-2023>द स्टेट ऑफ द क्लाइमेट इन एशिया 2023 रिपोर्ट के अनुसार , गर्मियों की शुरुआत में लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया। भारत में , अप्रैल और जून में भीषण हीटवेव के परिणामस्वरूप लगभग 110 मौतें हुईं । 2023 में, एशिया में औसत तापमान 1991-2020 की संदर्भ अवधि से 0.91 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो पिछले साल क्षेत्र के कई हिस्सों में अत्यधिक गर्मी की घटनाओं का अनुभव था । पीने और घरेलू उद्देश्यों, कृषि, उद्योग और जलविद्युत के लिए पानी उपलब्ध कराने के मामले में वर्षा में भिन्नता भी सूखे और बाढ़ जैसी प्रमुख जलवायु घटनाओं को जन्म देती है । 2023 में, तुरान तराई क्षेत्र में वर्षा की पर्याप्त कमी देखी गई (तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान); हिंदू कुश (अफगानिस्तान, पाकिस्तान); गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के निचले हिस्से (भारत और बांग्लादेश); और मेकांग नदी का निचला मार्ग। हिमालय और हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला में वर्षा सामान्य से कम थी और भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून से जुड़ी बारिश अपर्याप्त थी। 2023 में हुई कई अत्यधिक वर्षा की घटनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि पिछले साल जुलाई और अगस्त में तीव्र मानसूनी बारिश के कारण भारत में भूस्खलन हुए थे।

खरीफ की फसलें बोने का उचित समय

मई माह जिसे आप वैशाख-ज्येष्ठ भी कहते है ग्रीष्म ऋतु का आगमन है तथा मानव, पशु-पक्षियों में नई जान डालने वाले इस माह में खरीफ़ की फसलें बोने का उचित समय होता है । (इस लेख में सभी नाप-तोल प्रति एकड़ हिसाब में है ।)

मई महीने के प्रमुख कृषि कार्य

मई महीने में रबी फसलों की गहाई और सफाई करते हैं।

मक्का, ज्वार, लोबिया इत्यादि की बुआई शुरु हो जाती है।

खेतों की जुताई करते हैं - मेड़ों को बाँध देते हैं।

गन्ने की फसल में 90-92 दिन के अन्दर सिंचाई करते हैं।

मक्का, ज्वार, संकर नेपियर घास की फसलों की सिंचाई 10-12 दिन के अन्तर पर करते हैं।

इस महीने में केला और पपीता फलों को पत्तियों व बोरियों से ढक कर तेज धूप से बचाया जाता है।

कद्दु जैसे फसलों में निदाई, गुड़ाई और सिंचाई करते हैं।

कद्दु, तरबूज, ककड़ी, खरबूजा को कीट रोग से बचाते हैं। जो फल तैयार है, उसे तोड़ लेते हैं।

आम के पेड़ों की देखभाल अच्छे से करते हैं।

अरबी, अदरक, हल्दी की बुवाई की जाती है

सागौन, खम्हार, बीजा, महुआ, शीशम इत्यादि पौधों के बीज बोने का समय है तथा बीज बोने के बाद रोज सुबह शाम हल्की सिंचाई करते हैं।

कृषि में ध्यान देने योग्य मुख्य बाते

सर्वोत्तम फसल सुरक्षा

बीजापचार में 1 कि.ग्रा. बीज के लिए 2-3 ग्राम दवाई लगती है तथा 1 एकड़ में सिर्फ 10-17 रूपये तक का खर्चा है । सही दवाई व ढंग से से किया गया बीजोपचार से फसल पर बीमारी नहीं लगेगी तथा दवाईयां छिडकने पर खर्चा नहीं करना पडेगा । यदि 2-3 दवाईयों से एक साथ बीजोपचार करना हो तो बीज पर सबसे पहले कीटनाशक, फिर बीमारी नाशक तथा सबसे बाद जैव-खाद का उपचार करें । इससे स्वस्थ्य व पौष्टिक फसल के साथ-साथ पैसे की बहुत बचत होती है । यह फसल सुरक्षा का बहुत ही सुरक्षित व कामयाब तरीका है, इसे जरूर अपनाएं ।

प्रमाणित कृषि आदान

उच्च श्रेणी के कृषि आदन जैसे रोगरोधक बीज, शुद्ध खाद व दवाईयां, कृषि यंत्र, जैव-खाद, सिंचाई जल, ऋण तथा कृषि ज्ञान सिंफ प्रमाणित स्त्रोतों से लेने से ही आपको बिना कोई परेशानी भरपूर व लाभदायक पैदावार मिल सकती है । किसी घटिया स्त्रोत से ये आठों कृषि आदान सस्ते व आसानी से तो मिल सकते है परन्तु उसमें मिलावट व धोखा हो सकते है जिससे फसल में भारी नुकसान उठाना पड सकता है ।

जैव-खाद अपनाएं

दालों, मूंगफली, सोयाबीन, बरसीम जैसी फसलों में खेती में लागत कम करने के लिए उर्वरकों के साथ-साथ जैव-खादें भी जरूर प्रयोग करें । राइजोवियम जैव-खाद जोकि हर फसल के लिए अलग होती है । 10-20 रूपये का खर्च करने से प्रति एकड़ एक बोरा यूरिया की बचत होती है । अन्य फसलें जैसे मक्का, कपास, सब्जियाँ, चारा में एजोटोवैक्टर, गन्ने में एसीटोवैक्टर, तथा धान एजास्पीरीलियम का प्रयोग करें ये जैव खाद हवा से नत्रजन खींचकर मुपत में फसल की जरूरत पूरी करते हैं। उच्च या मध्यम फासफारस वाली मिट्टी में, जिसका हम मिट्टी परीक्षण से पता लगाते, में पी.एस,एम. जैव खाद जरूर लगाये, ये मिट्टी में पडे फासफोरस या डाली फासफोरस खाद को घुलनशील करके शीघ्र फसल को देता है तथा पैदावार काफी हद तक बढ़ाता है ।

धान

नर्सरी का उचित समय 10-30 मई है । उन्नत किस्मों में पंजाब के लिए पी आर 116, 114, 111, 108, 117 व 113 है । सी आर-113 किस्म 127 दन में पक जाती है बाकी किस्में 140-147 दिन लेती है । हरियाणा के लिए जया, पी आर-106, एच आर 120 व 126 किस्में 140-145 दिन ; आई आर 64 व एच के आर 46 किस्में 1351 दिन तथा पूसा 33 व गोविदं किस्में 117-120 दिन बीज से बीज तक लेती है । हिमाचल में उन्नत किस्में पालम धान 977, हिमालय 2216, पी आर 2421, वी एल धान221, कस्तूरी, हसन सराय, हिमालय 741, चायना 988, आई आर 579, आर 577, हिमालय 799, भृगुधान, चिंग शी 17,पी आर 108 व 109, जया तथा एच के आर 126 है । नसरी बीजाई के लिए अपने जिले की सबसे बढ़िया किस्म चुनें । इसके 10-12 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ को 10 लीटर पानी जिसमें 1 कि.ग्रा. नमक घुला हो डालकर, ऊपर तैरते वाले बीजों को फैक दें तथा नीचे बैठे बीजों को साफ पानी में अच्छी तरह से धो लें । फिर 10 लीटर पानी में 7 ग्राम एमिसान या 10 ग्राम सेरासन तथा 1 ग्राम स्ट्रेप्टो साईकिलन या 2.7 ग्राम पैसामाईसिन घोलकर सारे बीज को 24-36 घंटे तक भिगायें ताकि यह अंकुरित भी हो जाये । नर्सरी बीजने से पहले खेत में 12-17 टन कम्पोस्ट डालकर 2-3 बार जुताई करके मिट्टी में मिला दें फिर पानी डालकर पडलर से गारा बना लें। खेत में आधा बोरा यूरिया, एक बोरा सिंगल सुपरफासफेट व 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट डालकर सुहागा लगा दें । इससे खरपतवार भी नष्ट हो जाते हैं तथा पानी की रिसाव भी बहुत कम हो जाता है । खेत में आधा बोरा यूरिया, एक बोरा सिंगल सुपरफासफेट व 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट डालकर सुहागा लगा दें। इसके 4-5 घंटे बाद 10 X 10 फुट आकार की खेत में 400 क्यारियां बनाकर 1 कि.ग्रा. अंकुरित बीज प्रति क्यारी लगा दें तथा कम्पोस्ट छिडक कर बीज के ऊपर पतली तह बना दें ताकि पक्षी बीज न चुग जायें । खेत को हल्की-हल्की सिंचाई करके नम रखें तथा दो हप्ते बाद आधा बोरा यूरिया पूरे खेत में छिडकें । बीजाई के 1 हप्ते पहले या बाद 1.2 लीटर ब्यूटाक्लोर 70 ईसी को 60 कि.ग्रा रेत में मिलाकर छिडकें इससे नर्सरी में खरपतवार नष्ट हो जायेगें । यदि सुत्रकृमि की समस्या है तो 3-4 ग्राम कार्बोपयूरान (पयूराडान 3-जी) नर्सरी तैयार करते समय प्रति क्यारी (100 वर्ग फुट) डालें । यदि नर्सरी में पत्तों के ऊपरी हिस्से पीले पड जाये तो 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट (500 ग्राम हरा थोथा 100 लीटर पानी मे) की 2-3 स्प्रे हपते के अन्तर पर करें । यदि पत्ते पीले होकर कथे-रंग जैसे हो जाये तो 0.7 प्रतिशत जिंक सल्फेट (700 ग्राम जिंक सल्फेट 100 लीटर पानी में)की 1 स्प्रे करें । मई में धूप बहुत तेज होती है तथा हल्की-हल्की सिंचाईयों से मिट्टी नम रखें । पानी खडा नहीं रहना चाहिए बरना पौध नष्ट हो सकती है । जून में 27-30 दिन तथा जुलाई में 60 दिन तक की पोध रोपी जा सकती हैं ।

मक्की

हिमाचल, उत्तरांचल व जम्मू-कश्मीर में मक्का मई के दूसरे सप्ताह में तथा पंजाब में मई के आखिरी सप्ताह में लगा सकते हैं । उन्नत किस्मों में जे.एच.3459, प्रकाश, केसरी, पारस, सरताज, प्रभात, बायो-9637 व पर्ल पोपकार्न पंजाब के लिए तथा गिरिजा कम्पोजिट, सरताज, अलों कम्पोजिट, पार्वती, नवीन कम्पोजिट, हिम-123, संकर किस्में कंचन 717 एवं 101 अन्य राज्यों में लगाई जा सकती है । मई मे बोई मक्की अगस्त में पक जाती है । मक्की के लिए अच्छे जल निकास वाली दोमट मिट्टी चाहिए । बीजाई के समय 10 टन कम्पोस्ट, आधा बारो यूरिया, 3 बोरे सिंगल सुपर फास्फेट, आधा बोरा म्यूरेट आफ पोटाश व 10 कि.ग्रा जिंक सल्फेट अन्य फसलों की तरह बीज के नीचे साइड में लाइनों में डालें । उन्नत किस्मों के 8 कि.ग्रा. बीज को 24 ग्राम बाविस्टीन से उपचारित करके प्लांटर की सहायता से 2 फुट दूर लाइनों में तथा 9 इंच पौधों में दूरी पर 2 इंच गहरा लगाएं । खरपतवार नियंत्रण के लिए 2 दिन के अन्दर 700 से 800 ग्राम एट्राजीन 70 डब्ल्यु.पी. 200 लीटर पानी में छिडकें । मक्का के दो लाईनों के बीच सोयाबीन, मूग या उडद की एक लाईन भी लगा सकते है जिसके लिए कोई विशेष क्रिया नहीं करनी पडती है इससे खरपतवार नियंत्रण बढ़िया हो जाता है तथा मुख्य फसल के साथ-साथ दाल की फसल प्राप्त करें आय में वृद्धि होती है ।

कपास

मई कपास बीजने के लिए सर्वोत्तम माह है वशर्त सिंचाई की व्यवस्था हो । उन्नत किस्में एच 777 (देशी) एच एस 45, एच एस 6, धनलक्ष्मी (संकर), एच डी 107 (देशी), अमोती तथा एच 974 व एच डी 123 (देशी), डी एस 7 (देशी), पछेती बीजाई के लिए हरियाणा में सिफारिश की गई है ।

पंजाब में अमेरिकन किस्मों में हाइब्रिड एल एच एच 144, एफ 1861, एफ 1378, एफ 846, एच एल 1556 तथा देशी किस्मों में एल डी 694 व 327 अच्छी हैं । कपास के लिए रेतीली लवणीय तथा सेम वाली भूमि को छोडकर सभी प्रकार की भूमियों में बीजाई की जा सकती है । खेत में 10-17 टन कम्पोस्ट खाद डालें व 3-4 गहरी जुताई करें तथा सुहागा लगाएं जिससे कीडों के अंडे व खरपतवार नष्ट हो जाएगें । बीजोपचार के लिए दो घंटे तक 10 लीटर पानी में एमीसान (9 ग्राम), स्ट्रप्टोसाइक्लिन 1 ग्राम, सक्सीनिक एसिड 1 ग्राम के धोल में भिगोये फिर 10 मि.ली. क्लोरपाइरिफास 10 लीटर पानी में मिलाकर बीज पर छिडके व छाया में 30-40 मिनट तक सुखा लें इससे दीमक से बचाव हो जाता है । जड़गलन की समस्या वाले क्षेत्रों में बीज को 2 ग्राम वाविस्टिन प्रति कि.ग्रा. बीज के हिसाब से उपचारित कर लें । संकर किस्मों में रोएं उतरे बीज की 1.7 कि.ग्रा. तथा देशी कपास में 6 से 8 कि.ग्रा. मात्रा को लाइनों में 2 फुट तथा पौधों में 1 फुट दूरी पर 2 इंच गहरा बोये । संकर कपास में 1 बोरा यूरिया, 1 बोरा डी ए पी, 1 बोरा मयूरेट आफ पोटाश व 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट बीजाई पर दें । अमेरिकन कपास में खाद की मात्रा आधी कर दें । सिर्फ देशी कपास में 1/4 बोरा यूरिया पोधे बिरला करने पर तथा 1/4 बोरा यूरिया बोकी आने पर दें तथा आधा बोरा जिंक सल्फेट बीजाई पर दें । साधारण निराई-गुडाई से खरपतवार नियंत्रण अच्छा होता है । यदि मजदूरों की कमी हो तो 2 कि.ग्रा. स्टांप - 30 को 200 लीटर पानी में घोलकर फसल उगने से पहले छिडके। बीमार पौधों को खेत से लगातार निकाल कर नष्ट करते रहें । सिंचाई के लिए डोलिया बनाएं जिससे 27-30 प्रतिशत सिंचाई जल की बचत होती है तथा पोषक तत्वों का बढ़िया प्रयोग होता है ।

गन्ना

गन्ना की सी ओ एच 37 किस्म मई के पहले सप्ताह तक लगा सकते है । यह किस्म तेजी से बढ़ने वाली है । जिसका गन्ना मोटा, नरम व रसीला होता है । यह कमजोर मिट्टी पर तथा सिफारिश की गई नत्रजन की आधी मात्रा से 320 क्विंटल पैदावार तथा 18-20

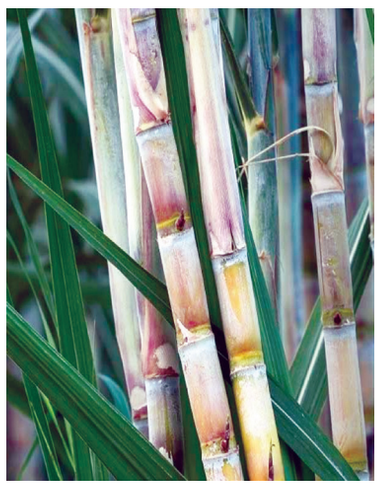

प्रतिशत खांड देता है । अधिक बढ़ने पर गिर जाता है इसलिए इसे दवि-पंक्ति विधि से बोना, मिट्टी चढ़ाना व बाधना बहुत जरूरी है । बीजाई के 6 सप्ताह बाद पहली सिंचाई दें तथा अप्रैल माह में बताई गई बीजाई व अन्य क्रियायें करें । शदरकालीन, बसंतकालीन व मोढ़ी फसल को मई में 10 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें । सी ओ जे 64 को अधिक सिंचाई की जरूरत होती है । सी ओ 1148 व सी ओ एस 767 किस्में सूखे को काफी सहन कर लेती है । मई में गन्ने पर हल्की मिट्टी चढ़ा दें इससे खरपतवार नियंत्रण तो होता ही है, फसल भी गिरने से बच जाती है ।

हानिकारक कीडों का पिछले माह में बताई गई विधि से नियंत्रण करें । रत्ता रोग, सीका रोग व कंडुआ बीमारियों से बचने के लिए रोगरहित बीज लें तथा बीजोपचार जरूर करें । अगोलावेधक की रोकथाम के लिए इसके अंडे तथा ग्रस्त पोधों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें । यदि 7 प्रतिशत से अधिक पौधों पर कीडे लगे हों तो 10 कि.ग्रा. फोरेट-10 जी खाद के साथ देकर सिंचाई करें ।

ग्रीष्मकालीन मंगफली

सिंचित क्षेत्रों में मई के पहले सप्ताह तक बीज सकते है इसके लिए मूंगफली-गेहूं फसल चक्र अपनाया जा सकता है परंतु एक ही जमीन पर हर वर्ष मूगफली न उगाएं इससे मिट्टी से कई बीमारियां पैदा हो जाती हैं। उन्नत किस्में एम 722, एम 337, एच बी 84 सिंचित क्षेत्रों में तथा एम 37 बारानी क्षेत्रों में जहां वर्षा अच्छी होती है लगाई जा सकती है । बाकी क्रियाएं अप्रैल माह में बता चुके हैं । खरपतवार निकालने के लिए 3 सप्ताह बाद निराई-गुडाई करें तथा साथ में सिंचाई के लिए नालियां भी बना लें । यदि चेपा जो कि पौधों से रस चूसते हैं हमला करें तो 200 मि.ली. मैलाथियान 70 इसी को 200 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिडके । बीमारियों से रोकथाम के लिए बीजोपचार ही सबसे सर्वोत्तम तरीका है ।

चारा

मई माह में सिंचित हालत में चारे के लिए मक्की (किस्में जे 1006, प्रभात, प्रताप, केसरी व मेघा) जवार (किस्में जे एम 20, एच सी 136, 171, 260, 308, एस एल 44 व पंजाब सूडेक्स चरी-1) बजरा (पी सी बी 141) मकचरी (टी एल 1), नेपियर-बाजना हाइब्रीड (पी वी एन-233 व 83, संकर -21), गिन्यानी घास (पी.जी.जी.518 व 101)ए ग्वारा (एफ.एस.277 व ग्वारा-80), लोबिया (लोबिया -88 व 10) यह सिफारिश की जाती है कि चारे की फसलें मिलाकर बोने में चारा पौष्टिक बनता है तथा पैदावार भी अधिक तथा जयादा कटाइयां मिलती हैं । मिश्रित चारे में सही मात्रा में बीज लेकर बीमारियों के लिए उपचारित कर लें फिर खेत में 2-3 बार जुताई करके 10 टन देशी खाद तथा 1 बोरा यूरिया डालकर बीज छिडकर बो दें । काफी बढ़वार होने पर जरूरत के अनुसार चारे की कटाइंया लेते रहें तथा कटाई के बाद आधा बोरा यूरिया छिडक दें ।

मूंग व उड़द

अप्रैल में बोई फसलों से 1 माह बाद खरपतवार निकाल दें तथा 17 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें ताकि फूल तथा फलियां लगने पर पानी की कमी ना हो व दाना मोटा पडे । मूंग व उडद में सिाप कीडे के हमले में फूल गिर जाते है तथा फसल की गुणवत्ता व पैदावार कम हो जाती है । नियंत्रण के लिए फूल पडते ही 100 मि.ली. मैलाथियान 70 ई सी 100 लीटर पानी में घोलकर स्प्रे करें । यदि फलीछेदक का हमला हो तो 1 लीटर एण्डोसल्फान 37 ई सी को 100 लीटर पानी में घोलकर स्प्रे करें जब दो तिहाई फलियां बन जायं तो सिंचाई बंद कर दें । जब पत्ते गिरने लगें और 80 प्रतिशत फत्रियां पीली पड जाय तो फसला काट कर एक स्थान पर इकट्टा करके 4-5 दिन बाद गहाई करें । दाने निकालने के बाद पौधों से कम्पोस्ट खाद बना सकते हैं । बिमारियों से बचाव के लिए रोगरोधक किस्में लगाएं तथा बीजोपचार जरूर करें । बीमार पौधों को खेत से निकाल कर जला दें ।

अरहर

फसल बहुत कम लागत में उगाई जा सकती है तथा 3 क्विंटल से ज्यादा पैदावार देती है । सिंचित अवस्था में अरहर को हरियाणा व हिमाचल में मई माह में लगा सकते है । उन्नत किस्में टी 21, यू.पी. ए. एस 120 हरियाणा में तथा सरिता किस्म हिमाचल में लगाई जा सकती है । बीज को राइजीवियम जैव खाद से जरूर उपचारित करें इससे पैदावार में बहुत बढ़ोतरी होती है । बीजाई संबंधी बाकी क्रियायें अप्रैल माह में बताई जा चुकी है । अप्रैल में बोई फसल में 27 दिन बाद निराई-गुडाई कर दें तथा एक हल्की सी सिंचाई भी दे दें ।

सब्जियां

मिर्च - मई माह के दूसरे पखवाडे में मिर्च की नर्सरी लगा सकते हैं । 400 ग्राम बीज 1 एकड़ खेत में पौध रोपण को लिए काफी होता है । उन्नत किस्मों में पूसा ज्वाला व पूसा सदावहार 80-100 क्विंटल हरी मिर्च देती है । बीमारियों की रोकथाम के लिए 400 ग्राम बीज को 1 ग्राम थिरम या केप्टान से उपचारित करें ।

मूली - की पूसा चेतकी किस्में मई में बोई जा सकती है तथा 40 से 47 दिन में तैयार हो जाती है ।

टमाटर व बैंगन - खड़ी फसल में सप्ताह में एक हल्की सिंचाई दें तथा 1 बोरा यूरिया डालें ।

प्याज - गर्मियों में ऊचे पहाडी क्षेत्रों में प्याज एक महत्वपूर्ण फसल बन गई है । इसके लिए अग्रीफाउंड डार्क रेड व एन 73 किस्में उपयुक्त हैं । इसकी नर्सरी की रोपाई मई माह में 8 × 4 इंच दूरी पर की जाती है । फसल अक्टूबर में तैयार होकर 200-270 क्विंटल पैदावार देती है ।

बंदगोभी, फूलगोभी, गांठगोभी, मटर व फ्रांसबीन - ऊँचे पहाडी क्षेत्रों में ये फसलें मई में रोपी जाती है तथा अगस्त में तैयार होकर बहुत फायदा देती है।

बागबानी

बचे हुए में खाद मई में दे सकते है । नया बाग लगाने के लिए गड्ढे अभी खोद दें ताकिं धूप से कीडो तथा बीमारियों को नियंत्रण हो सके । माह के अन्त में इन गढ़ढों में आधा उपर वाली मिट्टी तथा आधी कम्पोस्ट में क्लोरपाइरीफास दवाई मिलाकर पूरी तरह से उपर तक भर दें । आम - मई माह में फूलों की जगह पत्तों के गुच्छे बन जाते हैं इन्हें तोड दें तथा 0.1 प्रतिशत मैलाथियान स्प्रे करें । इनके बाद एन पी ए का 300 पी पी एम घोल छिडके । नीबू - जाति के पोधों में फल गिरने की शिकायत मिलती है, इसे 24 डी (10 पी पी एम)+ 0.7 प्रतिशत जिंक सल्फेट + आरोफुगिन (20 पी पी एम) के घोल से स्प्रे करने पर रोका जा सकता है ।

समशीतोष्ण क्षेत्रों में कौन से फूल लगाएं

जम्मू क्षेत्र में समशीतोष्ण क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले ज़िले हैं पूंछ, राजौरी, किश्तवाड़, रामबन, डोडा और उधमपुर, कठुआ, रिआसी के ऊपर वाले ठन्डे क्षेत्र ।

सौंदर्य, विभिन्न प्रकार के आकार और रंग - ये वार्षिक क्षुद्रग्रह की लोकप्रियता के मुख्य कारण हैं, जिन्हें चीनी कैलिस्टीफस भी कहा जाता है। कुल में, 40 से अधिक विभिन्न समूहों से संबंधित इन अद्भुत पौधों की लगभग 4,000 किस्में हैं। जो भी वार्षिक एस्टर हैं- छोटे और बड़े पुष्पक्रमों के साथ, छोटे और बड़े पुष्पक्रम के साथ पियोन के आकार और गुलदाउदी के आकार, सुई के आकार और पोम-पोम्स, उनके पुष्पक्रम का रंग एक समृद्ध रंग सरगम द्वारा प्रतिष्ठित है, और गुलदस्ते में एस्टर न केवल शानदार दिखते हैं, बल्कि लंबे समय तक भी रहते हैं।

वार्षिक एस्टर एक शक्तिशाली, शाखाओं वाले, रेशेदार जड़ प्रणाली और कठोर, हरे या थोड़े लाल रंग के कठोर तनों के पौधे हैं। वार्षिक एस्टर का फूल जून के अंत में शुरू होता है और अक्टूबर तक रहता है। छोटे बीज (और लगभग 500, 1 ग्राम में निहित होते हैं) फूल की शुरुआत के 35-40 दिनों के बाद पकते हैं और 2-3 वर्षों तक उनके अंकुरण को बनाए रखते हैं। बारहमासी के विपरीत, वार्षिक एस्टर का प्रजनन, बीज द्वारा विशेष रूप से संभव है। उन्हें रोपाई के लिए बुवाई मार्च के अंत में या अप्रैल के पहले दस दिनों में की जाती है;

उपजाऊ मिट्टी के साथ कंटेनरों में बोना। वार्षिक एस्टर के बढ़ते अंकुरों के लिए मिट्टी को 1 भाग रेत और पीट को टर्फ भूमि के 2 भागों के साथ मिलाकर स्वतंत्र रूप से तैयार किया जा सकता है। बुवाई के लगभग एक हफ्ते बाद अंकुर निकलेंगे, और जैसे ही उनके पास पहला असली पत्ता होगा, अलग-अलग बर्तनों में या ग्रीनहाउस (ग्रीनहाउस) में लगाने का समय है

गेंदा

जमीन में सीधे बज बोने से मैरीगोल्ड्स अच्छी तरह से प्रजनन करते हैं। लेकिन, रोपाई से उगाने से 15-20 दिन पहले खिलते हैं। इसके अलावा, उनका फूल बहुत, बहुत रसीला और लंबा होता है। पौधे स्वयं मजबूत और स्वस्थ होते हैं । यही कारण है कि सभी को गेंदा के पौधे उगाने की सलाह देते हैं।

मैरीगोल्ड के बीज एक ग्रीनहाउस, या बगीचे में बोए जा सकते हैं। अंकुरों को किसी विशेष देखभाल की आवश्यकता नहीं है। आप मध्य मई के करीब एक स्थायी स्थान पर गेंदा के पौधे लगा सकते हैं।

अग्राटम

अग्राटम, एक लंबे समय के लिए खिलने की क्षमता के लिए फूल के रूप में लोकप्रिय है, इस सुविधा के लिए बहुत से लोगों द्वारा पसंद किया जाता है। अग्राटम की मदद से, माली सफलतापूर्वक उज्ज्वल, सुंदर सीमा (एज/ द्रस्त्रद्द) बनाते हैं जो लंबे समय तक खिलते हैं। इसका उपयोग प्लांटर्स और हैंगिंग बॉक्स के लिए भी सफलतापूर्वक किया जाता है।

यह न केवल लंबी फूलों की अवधि के साथ, बल्कि विभिन्न प्रकार के रंगों के साथ भी प्रभावित करता है- नीले, गुलाबी, सफेद, बैंगनी और यहां तक कि अग्राटम के बरगंडी फूल बगीचे की रचनाओं में असामान्य रूप से अच्छे हैं।

कुल मिलाकर, इस पौधे की लगभग 50 प्रजातियाँ हैं, मुख्य रूप से उष्ण कटिबंध और उपप्रकारों में उगती हैं, जिनमें बारहमासी और वार्षिक, बौने होते हैं - लगभग 10 सेमी ऊंचे - और लम्बे - ऊंचाई में आधे मीटर से अधिक।

सच है, केवल एक प्रजाति मुख्यत: मध्य पट्टी में खेती की जाती है - मैक्सिकन एग्रेटम या, जैसा कि आमतौर पर ह्यूस्टन एग्रेटम भी कहा जाता है। इस पौधे की उपस्थिति लगभग हर उत्पादक से परिचित है- घने या ढीले ढालों में एकत्र, छोरों और पुष्पक्रमों-टोकरियों में लौंग के साथ खुरदरी, दिल के आकार की पत्तियां।

एग्रेटम के बीज बहुत छोटे होते हैं - लगभग 5000 1 ग्राम में निहित होते हैं। यही कारण है कि इस गर्मी से प्यार करने वाले पौधे को अप्रैल के पहले पखवाड़े में रोपाई करके बोया जाता है। बीजों को कियारियों में बोया जाता है या पहले से तैयार नम मिट्टी के मिश्रण से भरा एक ग्रीनहाउस, पीट, रेत और ह्यूमस के समान भागों से मिलकर, उन्हें मिट्टी के साथ छिड़कने की कोई आवश्यकता नहीं है।

इष्टतम तापमान के अधीन और मिट्टी की नमी सुनिश्चित करने के लिए, अगेती बीज बोने के 10 दिन बाद ही अंकुरित हो जाते हैं और जैसे ही दो जोड़े पत्ते होंगे, उन्हें रोपा जाना चाहिए ।

कोचिया (ग्रीष्मकालीन सरू)

कोखिया की अविश्वसनीय रूप से शानदार उपस्थिति (इसे ग्रीष्मकालीन सरू भी कहा जाता है) ने उसे कई बागवानों का पसंदीदा बना दिया। कोखिया किसी भी फूल पर बहुत प्रभावशाली दिखता है । हम उपयोग कर सकते हैं कोहियु टोपियारी के लिए - यह एक शुरुआत के लिए भी है।

कोचिया के बीज रोपाई के लिए बोए जाते हैं, अप्रैल के अंत तक, सार्वभौमिक मिट्टी के मिश्रण के साथ एक कंटेनर में, जमीन में थोड़ा दबाकर (उन्हें अंकुरण के लिए प्रकाश की आवश्यकता होती है)। लगभग 10 दिनों के बाद शूट दिखाई देते हैं।

एक्विलेजिया (कैचमेंट)

लैटिन में एक्विलेजिया का अर्थ है एक पौधा जो पानी इकट्ठा करता है। शायद यही कारण है कि लोगों को इसका दूसरा नाम मिला - कैचमेंट। बागवानों के लिए, एक्लेलेजिया को अलंकृत विचित्र आकार के उज्ज्वल फूलों और असाधारण सुंदरता, नाजुक ओपनवर्क पत्तियों के साथ प्यार हो गया। उच्च पेडन्यूल्स पर स्थित वाटरशेड फूल, घने पत्ते के ऊपर उठते हैं और, विविधता के आधार पर, डबल, सरल या अर्ध-डबल हो सकते हैं। अपने असामान्य आकार के अलावा, ये फूल विभिन्न प्रकार के रंगों में आकर्षक हैं- सफेद, नीला-सफेद, नीला, गुलाबी

और इसी तरह। कुल मिलाकर, जीनस जलीयजीव की लगभग 100 प्रजातियों को एकजुट करता है, ऊंचाई में भिन्न होता है - 15 से 60 सेमी तक - रंग में और यहां तक कि फूलों की अवधि में, लेकिन उनमें से केवल 30 ही मध्य पट्टी में रहते हैं। एक्विलेगिया के बीज अप्रैल के पहले पखवाड़े में तैयार किए गए ग्रीनहाउस, गमले, कप या अप्रैल के दूसरे भाग में सीधे जमीन में बोए जाते हैं। बुवाई से पहले, स्कारिफिकेशन (बीज कोट की अखंडता का यांत्रिक उल्लंघन) की सिफारिश की जाती है, जिससे अंकुरण में सुधार होता है। ऐसा करने के लिए, बुवाई से तुरंत पहले, बीज को हल्के सैंडपेपर के साथ हल्के से रगड़ने की आवश्यकता होती है। बुवाई के लगभग 14-20 दिन बाद एक्विलागिया की गोली दिखाई देती है। एक या दो असली पत्तियों के आगमन के साथ, पहले से ही मजबूत और थोड़े बड़े होने वाले रोपे बड़े कंटेनरों (लगभग 5त्न 5 मिलियन) में रोपे जाते हैं । कई फूलों के उत्पादकों की पसंदीदा, ऐमारैंथ इसकी विशाल उपस्थिति के साथ स्त्रद्बद्य जीतता है। यह हार्डी और पूरी तरह से अप्रमाणित संयंत्र गर्मी-शरद ऋतु की अवधि में और यहां तक कि सर्दियों में सूखे गुलदस्ते में पुष्पक्रम की ताजा उपस्थिति को संरक्षित करता है।